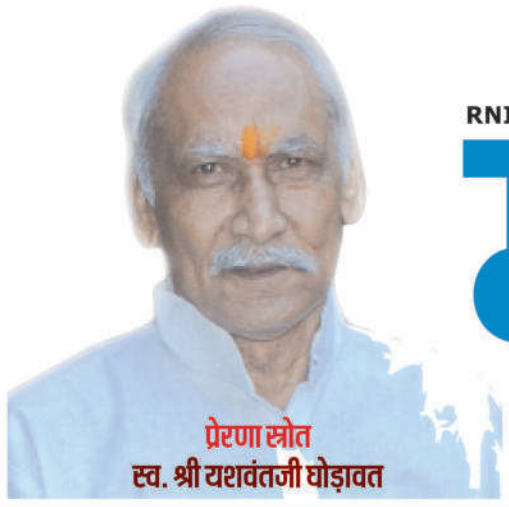

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-05, अंक - 13 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 29 दिसम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।

नेल्सन मंडेला

अलविदा 2022... सुस्वागतम् 2023...

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। 2021 का विदा होना और 2022 का आगमन आम जनजीवन में अनिश्चितता... भय... व कोरोना का खात्मा होने जैसी नवीन ऊर्जा के संचार व एक अदृश्य शत्रु पर विजय का उत्साह और उमंग के साथ प्रारंभ हुआ था। यही नहीं कोरोना वायरस महामारी में दिवंगत हुए अपने स्वजनो के विरह पर पर्दा डालकर वायरस पर विजय की नई संभावनाओं के साथ प्रारंभ हुआ था। पूरे वर्ष भर यह उत्साह कायम रहा और आम जीवन कोरोना से पूर्व की स्थिति में लौटने लगा था। लेकिन दिसंबर 22 का अंतिम सप्ताह आते-आते एक बार फिर कोरोना की आहट ने आम जनता के मन-मस्तिष्क में कोरोना काल के दुख भरे दिन... लॉकडाउन में बजता हुआ पुलिसया सायरन... दौड़ती एंबुलेंस और अपने बिछड़े परिजनों की याद दिला दी और आने वाले कल को लेकर सर्तकता का माहौल याद किया। अब ये तो भविष्य के गर्भ में है कि आने वाला 2023 क्या लेकर आने वाला है...? कोरोना का खौफ या कोरोना से बमुश्किल मुक्त होती आम जनता के लिए उन्नति की नई रफ्तार...

कैसा रहा 2022

2022 का वर्ष भारत के लिए अच्छा वर्ष कहा जा सकता है। भारत ने इस वर्ष अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मनाया और इस अमृत काल के वर्ष में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में उल्लेखनीय सुधार हुआ। भारत को आज पूरी दुनिया ध्यान से सुन रही है। यही नहीं भारत को पहली बार जी-20 की अध्यक्षता करने का गौरव मिला। जहां तक भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी का सवाल है, इस वर्ष दोनों ने ही सफलता प्राप्त की। इस वर्ष 7 राज्यों में चुनाव हुए 5 में भाजपा और एक में कांग्रेस तथा एक में आम आदमी पार्टी ने सत्ता प्राप्त की। गुजरात की महाविजय ने प्रधानमंत्री मोदी का कद निश्चित रूप से विराट कर दिया। वहीं हिमाचल प्रदेश में मोदी का जादू नहीं चला। यहां तक की दिल्ली के स्थानीय चुनाव में भी दिल्ली की जनता ने भाजपा और मोदी के चेहरे को नकारते हुए आम आदमी पार्टी पर अपना भरोसा जताया। समाप्त होते वर्ष में आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय दल होने का गौरव प्राप्त कर लिया। जो कि, आम आदमी पार्टी के लिए अल्प समय में हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि है। 2022 कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए भी नई आशा की किरण लेकर आने वाला साबित हुआ। भारत जोड़ो यात्रा से न केवल राहुल गांधी की छवि बदली है, वरन कांग्रेस पार्टी को भी अच्छा समर्थन प्राप्त हुआ है। इस वर्ष ही कांग्रेस को गांधी परिवार से बाहर का अध्यक्ष मिला।

जहां तक मध्यप्रदेश का सवाल है, पूरे वर्ष मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा चलती रही लेकिन मुख्यमंत्री नहीं बदला गया। अनिश्चिता के बीच पंचायती निर्वाचन चुनाव की घोषणा की गई। लेकिन पिछड़ा वर्ग गलत आरक्षण के चलते कोर्ट द्वारा नाम वापसी व चुनाव आवंटन के बाद आखरी वक्त पर निरस्त कर दिए गए और राज्य शासन की भारी किरकिरी हुई। पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के पश्चात हुए चुनाव में एक और भाजपा ने दावा किया कि, उसके समर्थित प्रत्याशी ही सबसे ज्यादा चुनाव जीते, कुछ इसी प्रकार का दावा कांग्रेस द्वारा भी किया गया। बहरहाल ये चुनाव गैर दलीय आधार पर हुए थे, लेकिन उसके पश्चात दलीय आधार पर हुए नगरीय निकाय के चुनाव में जीत भले भाजपा की हुई हो लेकिन उसके प्रतिनिधियों की संख्या गत वर्ष के चुनाव के मुकाबले कम ही हुई। ग्वालियर महापौर का चुनाव पार्टी के लिए सबसे बड़ा झटका साबित हुआ। जबकि इस बार पार्टी के साथ कद्दावर नेता केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और नरेंद्रसिंह तोमर एक साथ थे। वर्ष समाप्ति पर नेतृत्व परिवर्तन के साथ ही मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चाएं भी खूब चली, कई मंत्री विवादों में भी रहे। उद्योगमंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव के लिए एक मंत्री ने अशिष्ट शब्दों का प्रयोग तक किया और बाद में माफी मांगी गई। वही वर्ष के अंतिम पखवाड़े में प्रदेष के उद्योगमंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव के गृह क्षेत्र में ही एक युवती ने भोपाल से आकर रिसोर्ट में पहचान पत्र मांगने पर भड़क जाती है और मंत्री जी के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करती है। जिसका विडीयो वायरल होने के साथ ही मंत्री जी के साथ भाजपा पर भी कथनी व करनी में फर्क होने के आरोप लगे। तो वहीं मंत्री जी हाईकोर्ट में उक्त मामले में मिडीया पर कवरेज करने पर प्रतिबंध लगाने के लिए पहुंचे है, जिसके बाद क्षेत्र की आम जनता की नजरों में उद्योगमंत्री बैकफुट पर आ गए है, जिसका नुकसान कही मंत्रीजी को 2023 में भुगतना न पड़ जाए।

झाबुआ जिले की बात की जाए तो यहां राजनीति में भाजपा जिलाध्यक्ष की कई आरोपों के बाद रवानगी की गई। पंचायती चुनाव में जिला पंचायत के अध्यक्ष की कुर्सी भाजपा के लिए एक बार फिर सपना ही रह गई। गुटबाजी में फंसी भाजपा के अरमानों पर गुटबाजी ने ही पानी फेर दिया। प्रशासनिक दृष्टि से भी काफी फेरबदल हुए और कोविड कलेक्टर के रूप में पदस्थ हुए सोमेश मिश्रा को भी विवादों के कारण हटाया गया। कांग्रेस की राजनीति इस वर्ष भी दिग्गज नेता कांतिलाल भूरिया के इर्द-गिर्द ही रही और आज भी वे जिला कांग्रेस के सर्वमान्य नेता बने हुए है। अलीराजपुर के कांग्रेस नेता महेश पटेल के साथ हुए विवादों के बाद वे चर्चा में आए, लेकिन अन्ततः कांतिलाल भूरिया का ही पलड़ा भारी रहा और महेश पटेल को माफी मांगना पड़ी। अलीराजपुर की जोबट विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने सुलोचना रावत को अपने पक्ष में लेकर उपचुनाव में अपना खाता अवश्य खोल लिया। यहां तक की सुलोचना रावत को मंत्री बनाए जाने की चर्चाएं भी खूब चली लेकिन अचानक उनको ब्रेन हेमरेज होने व अस्पताल में भर्ती होने के बाद चर्चाओं पर विराम लग गया। इस वर्ष सामाजिक संगठन जयस (जय आदिवासी युवा संगठन) की चर्चा भी राजनीतिक गलियारों में खूब हुई। यही नहीं थांदला जनपद के खवासा क्षेत्र की जिला पंचायत सीट पर भी युवा लड़की रेखा निनामा ने कांग्रेस और भाजपा के दिग्गज नेताओं के परिजनों को धूल चटाते हुए एक बड़ी जीत दर्ज करके तमाम राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया। यही नहीं आदिवासियों के मसीहा समाजसेवी व पूर्व सांसद स्वर्गीय मामा बालेश्वर दयाल (मामाजी) की पुण्यतिथि पर अब तक कई राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता अपने राजनीतिक लाभ के लिए आते रहे है जिसमें कांग्रेस, भाजपा, समाजवादी पार्टी ,जनता दल आदि शामिल रहे है। लेकिन इस वर्ष इन दलों से कोई बड़ा नेता नहीं पहुंचा लेकिन जयस संरक्षण और कांग्रेस विधायक हीरालाल अलावा ने पहुंचकर सभी को आश्चर्य में डाल दिया। हालांकि मामा जी के समर्थक केवल मामा जी के अनुयाई है और वे बगैर किसी औपचारिकता के केवल मामा जी को ही शीश झुकाने कड़कती ठंड में आते हैं और रात भर भजन-कीर्तन कर सुबह मामा जी को नारियल, अगरबत्ती चढ़ाकर श्रद्धांजलि देते हैं और वापस अपने घर की ओर प्रस्थान कर देते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में जयस तीसरी शक्ति के रूप में उभर सके इसके लिए जयस संरक्षण हीरालाल अलावा लगातार सक्रिय है।

बहरहाल अलविदा 2022 और सुस्वागतम 2023... नववर्ष आप सभी के लिए मंगलमयी हो... माही की गूंज परिवार की ओर से भी आप सभी को नववर्ष 2023 की हार्दिक मंगलकामनाएं... आप सभी पाठकगण व स्नेहीजनो का आशीर्वाद माही की गूंज पर इसी प्रकार बना रहे, इसी उम्मीद के साथ आपके हाथों में 2022 का अंतिम अंक नए जोश और उमंग के साथ 2023 में मिलेंगे.... अलविदा 2022

40 दिन अहम: कोरोना के केसों में हो सकता है इजाफा

नई दिल्ली।

दुनियाभर में कोरोना के मामलों को देखते हुए भारत के लिए अगले 40 दिन अहम होने वाले हैं। आधिकारिक सूत्रों की माने तों, भारत में जनवरी से कोरोना के मामलों में इजाफा हो सकता है। चीन समेत कुछ देशों में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ने के बीच केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से एहतियाती कदम उठाने को कहा है। केंद्र ने राज्यों से सभी कोविड अस्पतालों में मॉक ड्रिल करने को कहा था। जिसके बाद किसी भी स्थिति से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मंगलवार को देश के कई अस्पतालों में 'मॉक ड्रिल' की गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि, उपकरणों और मानव संसाधन को तैयार रखना जरूरी है। मांडविया ने कहा, ''पूरी दुनिया में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं और भारत में भी संक्रमण के मामलों में वृद्धि हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि, उपकरणों, प्रक्रियाओं और मानव संसाधनों के रूप में कोविड संबंधी संपूर्ण ढांचा पूरी तरह तैयार रहे।'' लोगों को कोई परेशानी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकारी और निजी अस्पताल इंतजाम कर रहे हैं।

बता दें कि भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 188 नए मामले सामने आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,77,647 पर पहुंच गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3,468 हो गई है।

मंच पर पहुंचते ही एक्शन में सीएम चौहान, डीएम और तहसीलदार निलंबित

निवाड़ी। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित गढ़कुंडार महोत्सव में पहुंचे सीएम शिवराजसिंह एक्शन में आ गए। शिकायतें मिलने पर स्टेज से ही निवाड़ी कलेक्टर और ओरछा तहसीलदार को तत्काल प्रभाव से हटा दिया। सीएम ने कहा कि, मैं हमेशा ऐसे शासकीय कर्मचारी, जो बेहतर काम करते हैं उनका स्वागत और सम्मान करता हूं। सीएम ने डिंडोरी कलेक्टर विकास मिश्रा की तारीफ करते हुए कहा वे दिन-रात काम करते हैं, लेकिन निवाडी कलेक्टर की कई शिकायतें मिली हैं साथ ही ओरछा में एक तहसीलदार हैं जिनकी जमीन में की गड़बड़ी की कई शिकायतें आई हैं। दोनों अधिकारीयों को भी तत्काल प्रभाव से हटा कर जांच करवाने का कहा।

सीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, पीएम आवास योजना में निचले स्तर पर पैसा मांगा जाता है, यह किसी भी सूरत में नहीं होना चाहिए। जनता की सेवा अपना धर्म है। उन्होंने कहा,÷दो-तीन कर्मचारियों के मैं नाम नहीं लूंगा इनकी भी शिकायत आई है इनकी जांच करवाओ।÷ सीएम ने कहा प्रधानमंत्री का कहना है कि, ना खाऊंगा ना खाने दूंगा और वो भी कहते हैं कि, ना खाऊंगा और ना खाने दूंगा।

अराजक तत्व का खात्मा करने के लिए लॉ एंड आर्डर

भोपाल।

मध्यप्रदेश सरकार ने 26 दिसंबर को एक आदेश जारी कर सूबे के सभी जिलाधिकारियों को अराजक तत्वों से निपटने के लिए पूरी ताकत दे दी है। आदेश में दावा किया गया है कि, राज्य में कुछ संगठन और लोगों के समूह सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी कई घटनाओं और चल रही साजिशों की रिपोर्ट भी सरकार के गृह विभाग को दी गयी है। जिसके बाद विभाग ने संबंधित जिले के जिलाधिकारियों को एक्टिव अराजक तत्वों के बारे में अवगत कराया था।

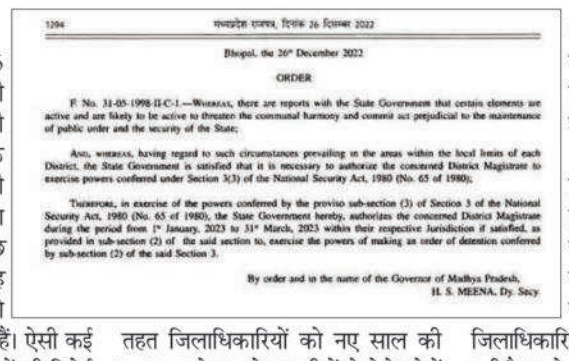

1294 मध्यप्रदेश राजपत्र, दिनांक 26 दिसम्बर 2022

Bhopal, the 26th December 2022

ORDER

F. No. 31-05-1998-II-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State;

And, whereas, having regard to such circumstances prevailing in the areas within the local limits of each District, the State Government is satisfied that it is necessary to authorize the concerned District Magistrate to exercise powers conferred under Section 3(3) of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980);

Therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby, authorizes the concerned District Magistrate during the period from 1st January, 2023 to 31st March, 2023 within their respective Jurisdiction if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section to, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
H. S. MEENA, Dy. Secy.

सूबे में कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जिलाधिकारियों को नए साल की शुरुआत से अगले 3 महीनों मे ऐसे लोगों को चिन्हित करने और उनके खिलाफ एक्शन लेने की अनुमति दी गयी है। आदेश में कहा गया है कि, राज्य के जिन जिलों में ऐसी घटना सामने आती है, वहां के जिलाधिकारी त्वरित आवश्यक कार्रवाई करें। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून 1980 के भाग 3 के उपभाग संख्या 3 के तहत जिलाधिकारियों को शक्ति सौंपी है।

राज्य भर के जिलाधिकारियों को आदेश प्रेषित कर एक्शन लेने को कहा गया है। जिन इलाकों में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका है, वहां के जिलाधिकारियों को गोपनीय रिपोर्ट भी सौंपी गयी है। आदेश में डीएम को अपने अधिकार क्षेत्र में 1 जनवरी से 31 मार्च तक शक्ति का प्रयोग करने, आवश्यकतानुसार हिरासत और गिरफ्तारी की भी शक्ति दी गयी है। मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम पर यह आदेश डिप्टी सेक्रेटरी एचएस मीणा ने 26 दिसंबर को जारी किया है।

घाटी को लेकर अमित शाह ने की बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर में विकासात्मक परियोजनाओं और सुरक्षा संबंधी मुद्दों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मंत्रालय के उच्च अधिकारी, अर्धसैनिक बलों, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बता दें कि, बुधवार को जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान से आए चार भारी हथियारों से लैस आतंकी मारे गए थे।

बैठक दौरान गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति को लेकर समीक्षा की और पाकिस्तान समर्थित आतंकियों का सफाया करने के लिए उठाए जाने वाले कदम पर चर्चा की। गृह मंत्री ने घाटी में शांति बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों पर विस्तार से बातचीत की। साथ ही बैठक में केंद्र शासित प्रदेश में किए जा रहे विकास कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई।

अधिकारियों ने कहा कि, पिछले कुछ महीनों में जम्मू-कश्मीर में हिंसा की छुटपुट घटनाएं हुई हैं, जिनमें आम नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों पर हमले और सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें शामिल हैं।

मां हीराबेन का स्वास्थ बिगड़ा, अस्पताल पहुंचे पीएम

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन की बुधवार को तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें अहमदाबाद के यूएन मेहता अस्पताल में एडमिट कराया गया। अस्पताल की ओर से जारी बुलेटिन में कहा गया है कि, हीराबेन की हालत स्थिर है और वह रिकवर हो रही हैं। उन्हें कफ की शिकायत होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कहा जा रहा है कि सर्दी के मौसम में कफ की शिकायत उन्हें बढ़ गई है। यह समस्या बढ़ने के बाद उन्हें अस्पताल में एडमिट कराया गया था। पीएम मोदी बीमार मां से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। अहमदाबाद पहुंचने के बाद वह अस्पताल गए और वहां एक घंटे से अधिक समय तक रहे। अस्पताल से निकलते वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने भीड़ और वहां इंतजार कर रहे मीडियाकर्मियों के सामने 'नमस्ते' की मुद्रा में हाथ जोड़े।

हीराबेन के आज ही कई मेडिकल चेकअप्स हुए हैं और डॉक्टरों की एक टीम उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है।

कितना बचा मोदी का जादू और कितना बदले राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी।

2022 अब गुजरने को है और 2023 में देश के 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इन चुनावों को सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। त्रिपुरा, मेघालय, कर्नाटक, राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के चुनाव तय करेंगे कि, विपक्ष अभी किस हद तक जिंदा है या फिर मोदी का जादू जस का तस बना हुआ है। यदि इन राज्यों में से ज्यादातर में भाजपा को हार का सामना करना पड़ता है तो फिर इससे बिखरे विपक्ष के लिए एक उम्मीद बंध सकती है और उसे इस बात का आत्मविश्वास होगा कि, भाजपा अजेय नहीं है।

यदि कांग्रेस को कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में सफलता मिलती है तो यही संदेश जाएगा कि, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का ही यह कमाल है। इससे एक तरफ राहुल गांधी का कद बढ़ेगा तो वहीं कांग्रेस भी विपक्ष की धुरी के तौर पर उभर सकेगी। कांग्रेस के लिए यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि ममता बनर्जी, केसीआर, अरविंद केजरीवाल और नीतीश कुमार जैसे नेता विपक्षी एकता के प्रयासों में उससे दूरी बरतते रहे हैं। ऐसे में यदि कांग्रेस 9 राज्यों के चुनाव में मजबूती से उभरती है तो वह उन नेताओं को संदेश दे सकेगी, जो विपक्षी एकता की बात से दूर रह रहे हैं।

भाजपा की संभावनाओं की बात करें तो त्रिपुरा में उसका मुकाबला सीधे तौर पर लेफ्ट से होगा। जहां कांग्रेस कमजोर है और टीएमसी यहां एंट्री करने का प्रयास कर रही है। वहीं मेघालय की बात करें तो यहां भी कांग्रेस 2018 में 21 सीट जीतने के बाद भी सत्ता से दूर थी। यहां भाजपा ने एनपीपी के साथ मिलकर सरकार बना ली थी और इस चुनाव में ऐसा लगता है कि, भाजपा के गठबंधन का मुकाबला टीएमसी से होगा। नागालैंड में भी भाजपा खुद को मजबूत करना चाहती है, जहां उसने 60 में से 12 सीटें 2018 में जीती थीं।

चल रहा नाटकः कर्नाटक में कैसे बनेगी बात

राज्यों की चुनावी जंग में सबसे अहम कर्नाटक होगा, जो भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का मसला है। यही अकेला दक्षिण भारतीय राज्य है, जहां भाजपा सत्ता में है। कांग्रेस ने बीते कुछ सालों में यहां अपनी टीम को मजबूत किया है और मतभेदों को भी समाप्त करने की कोशिश की है। कर्नाटक से ही आने वाले खड़गे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। इसके अलावा भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप भी झेल रही है। यही नहीं सीएम बसवराज बोम्मई और पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के बीच टकराव भी उसके लिए चिंता की बात है। इसी बीच रेड्डी बंधुओं के अलग होकर नई पार्टी बनाने से भी भाजपा को झटका लगा है।

छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश की बात करें तो उत्तर भारत में नैरेटिव बनाने में इन तीन राज्यों का रोल अहम होगा। राजस्थान में हर 5 साल में सरकार बदलने का रिवाज रहा ही है। इसके अलावा अशोक गेहलोत और सचिन पायलट के टकराव ने भी कांग्रेस को मुश्किल में डाला है। ऐसी स्थिति में भाजपा के लिए उम्मीद है, लेकिन उसे भी वसुंधरा राजे बनाम केंद्रीय नेतृत्व के टकराव को टालना होगा। अब मध्य प्रदेश की बात करें तो यहां भाजपा को अपना दो दशक से बना हुआ किला बचाना होगा। छत्तीसगढ़ में भी उसे भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच रार से अपने लिए उम्मीद है।

चार साल से अधूरा पड़ा है उपस्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए पेरशान ग्रामीण

उपस्वास्थ्य केंद्र के लिए दान में दी जमीन, न जमीन रही न उपस्वास्थ्य केंद्र मिला

माही की गूंज , पेटलावद।

सरकार कागजो पर ग्रामीण इलाकों में विकास के दावे कर रही लेकिन धरालत पर स्थिति बेहद ही गंभीर है। बात करे विकास खंड पेटलावद की तो यहां के ग्रामीण इलाकों की स्थिति बेहद ही गंभीर है। यहां ग्रामीण इलाकों में एक-दो नही बल्कि सैकड़ो सरकारी भवनों का निर्माण कछुवे की गति से चलते हुए वर्षो से अधूरे पड़े हैं।

ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत छोटी गेहंडी के ग्राम छायन पश्चिम जहा बनने वाला उपस्वास्थ्य केंद्र की बिलिंडग पिछले चार साल से अधूरी पड़ी है। लगभग 30 लाख की लागत से बनने वाले इस बिलिंडग के लिए ग्रामीण सुरसिंह मीणा ने अपनी निजी भूमि दान की ताकि लोगो को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके, लेकिन चार साल बाद अब भूमि दान करने वाले को लगता हैं की उनका दान लोगो के कोई काम नही आया। भवन के पूर्ण होने से पूर्व ही जितना भवन बना है वो तक घटिया निर्माण के चलते जजर्र हो चुका है। स्थिति ये है कि भवन के उपयोग से पूर्व ही भवन की मरम्मत की आवश्यकता पड़ गई है। भवन को इस स्थिति में पूरा किया भी जाता है तो कम ही समय मे जर्जर होना तय है, क्योंकि भवन निर्माण की नींव से ही जमकर घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है।

चार साल में भी अधूरा पड़ा उपस्वास्थ्य केंद्र

ठेकेदार और विभाग की मिलीभगत से हुआ घटिया निर्माण

नेशनल हेल्थ मिशन के माध्यम से चल रहे इस कार्य में ठेकेदार ओर विभाग की मिलीभगत से बेहद ही घटिया कार्य किया गया। भवन को बाहर से कलर कर भवन को पूर्ण बताने का प्रयास भी किया गया है, लेकिन भवन के अदंर स्थिति बेहद ही गभीर है। न दरवाज़े लगे न लाइट फिटिंग सहित लगभग कार्य अधूरा पड़ा है। विभाग की और से इस मामले में कोई सूद नही ली गई।

भूमि दान दाता ग्रामीण सुरसिंह मीणा ओर ग्रामीण रमेश

ग्राम पंचायत सरपंच हरिसिंह

बी ए म ओ एमएल चोपड़ा से जब इस विषय मे चर्चा की तो बताया, कार्य की जानकारी लेकर विभाग को अवगत करवाया जाएगा। कार्य की प्रगति का पता इससे लगता है चार साल में भवन की वाल बाउंड्री तक नही बन पाई।

ग्राम पंचायत के सरपंच हरिसिंह ने बताया कि, भवन मेरे कार्यकाल के समय का नही है इस मामले में विभाग को पत्र लिख जानकारी ली जाएगी और आवश्यकता लगी तो पैसा एक्ट के तहत प्रस्ताव बनाकर विभाग के जिम्मेदार सहित ठेकेदार पर प्रकरण दर्ज करवायेगे।

ग्राम के सुरसिंह मीणा ने बताया कि, ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा मिले इसलिए भूमि दान की थी। अब भवन चार साल बाद भी नही बनने पर वो निराश हैं। ग्रामीण सुरसिंह मीणा ने बताया हमको स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए चार किलोमीटर दूर जाना पड़ता है, इसलिए सुविधा के लिए भूमि दान की थी लेकिन आज तक निर्माण पूरा नही हो सका।

ग्रामीण रमेश ने बताया कि, निर्माण के शुरुआती समय मे ही ठेकेदार द्वारा घटिया निर्माण किया गया था। जिंसमे नींव में पत्थर भरे गए थे, साथ ही कालम में नियम से कम सरिए लगाए गए थे, जिसकी भी शिकायत की गई थी लेकिन ठेकेदार द्वारा लगातार घटिया निर्माण किया गया। ग्रामीणों ने कहा है कि, जल्द ही ग्रामीणों के साथ जा कर जिला कलेक्टर से इसकी शिकायत दर्ज करवायेगे।

ढाई करोड़ की नल-जल योजना से मिलेगा स्वच्छ पानी

अजजा के प्रदेशाध्यक्ष श्री भाबर ने किया कार्य का भूमि पूजन

माही की गूंज, भामल।

केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना के तहत चयनित ग्राम पंचायतों में जल जीवन, जल मिशन के तहत पीएचई के मार्फत ठेकेदार के माध्यम से कार्य प्रत्येक ग्राम पंचायत में किया जा रहा है। जिसमें ग्रामीणों को स्वच्छ पानी मिले इस उद्देश्य से सरकार के माध्यम से ग्रामीण अंचलों में जल जीवन, जल मिशन के तहत टकियों व पाईपलाईन का कार्य किया जा रहा। इसी उपलक्ष्य में थांदला विकासखंड की ग्राम पंचायत भामल में ढाई करोड़ की योजना से टंकी का निर्माण व पाईपलाईन का कार्य किया जाना है। जिसका भूमि पुजन मुख्य अतिथि के रुप में अनुसूचित जनजाति के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाबर के कर कमलों से किया गया। जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार की योजना की जानकारी दी। आयोजन में विशेष अतिथि उपाध्यक्ष जनपद पंचायत थांदला श्रीमती माया देवी प्रेमसिंह चौधरी, विशेष अतिथि सदस्य जिला पंचायत झाबुआ सुश्री रेखा निनामा, मंडल अध्यक्ष तोलसिंह गणावा, सरपंच ममता बहादुरसिंह चरपोटा, उपसरपंच राजू डांगी, सचिव लालचंद कटारा, केशव सोलंकी, रामसिंह पालरा, रामसिंह सोलंकी, सुरतान निनामा लीमजी चरपोटा, पीएचई विभाग से सब इंजीनियर गोरीशंकर चौधरी, के साथ स्टील ग्रुप ऑफ कंपनी रतलाम जिसके मार्फत टंकी बनाई जाएगी उसके सुपरवाइजर आदि उपस्थित थे।

हाट बाजार में शुल्क वसुलने की हुई नीलामी

माही की गूंज, काकनवानी।

ग्राम पंचायत काकनवानी बाजार में लगने वाले रविवार हाट बाजार एवं मंडी पर लगने वाले मवेशी बाजार में खरीदी-बिक्री पर की जाने वाली शुल्क राशि ग्राम पंचायत द्वारा 8 रोज पहले लिस्ट जारी कर नीलामी की सूचना चस्पा कर दी गई थी। जिस पर बुधवार को ग्राम पंचायत में हाट बाजार एवं मवेशी बाजार की नीलामी की गई। जिसमें शासकीय बोली बाजार में लगने वाले हाट बाजार की 20 हजार एवं मंडी पर लगने वाले मवेशी बाजार की 90 हजार से बोली शुरू की गई। इस बोली में दोनों ही बाजार के 12-12 फार्म 10-10 हजार शुल्क के साथ जमा किए गए। इसके पश्चात नियमानुसार बोली शुरू की गई जिसमें काकनवानी बाजार में लगने वाले हाट बाजार की आखरी बोली नरेश गणपत पंचाल ने दो लाख पचास हजार लगाई गई एवं मंडी पर लगने वाले मवेशी बाजार की आखरी बोली शैतान मख़जी डामोर ने पांच लाख पचास हजार की बोली लगाई गई।

उक्त बोली 1 वर्ष के लिए लगाई गई जिसमें चार किस्तों में राशि जमा करना होगी एवं पहली किस्त की 25 प्रतिषत राशि एडवांस में जमा करना रहेगी। यह नीलामी ग्राम पंचायत समन्वयक पुनिया सिंगाड, बीपीओ जगजीवन दोहरे, सरपंच श्रीमती शांता देवी निनामा, उपसरपंच श्रीमती शर्मिला डामोर, सहायक सचिव भंवरसिंह पारगी, समस्त पंचगण, जनप्रतिनिधि व ग्रामवासियों की उपस्थिति में संपन्न की।

मोहनलाल लोढ़ा की स्मृति में हुआ 41 यूनिट ब्लड डोनेशन

माही की गूंज, थांदला।

स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, लायंस क्लब के पूर्वाध्यक्ष समाजसेवी मोहनलाल लोढ़ा की स्मृति में उनके शोक निवारण कार्यक्रम में रोटरी क्लब मेघनगर के माध्यम से ब्लड डोनेशन का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए ब्लड डोनेशन चेयर पर्सन राजेश भण्डारी व पवन नाहर ने बताया कि, परिजनों की स्मृति में सेवा कार्य किये जाना नेक काम है। उसी तारतम्य में आज ब्लड डोनेशन कैम्प में मोहनलाल लोढ़ा की सेवाओं को याद करते हुए 41 सदस्यों ने अपना रक्तदान किया। जिन्हें रोटरी क्लब मेघनगर व मोहनलाल लोढ़ा परिवार की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। आयोजन में रोटरी क्लब अपना के अध्यक्ष डॉ हितेंद्र खतेडिया, विनोद बाफना, मांगीलाल नायक, सुमित जैन, निलेश भानपुरिया आदि सदस्य उपस्थित रहे। वही बायो कैमिस्ट वीरेंद्र सिसोदिया, लेब टेक्नीशियन जेपी राठौड़ व विनय हिहोर ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

देश भक्ति गीतों पर छात्रों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

माही की गूंज ,रतलाम।

जिले के पिपलौदा तहसील के गांव मावता मे ज्ञान सागर हाईस्कुल मै प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी वार्षिकत्सव का आयोजन हर्षोल्लाश के साथ मे सम्पन्न हुआ। ज्ञान सागर हाई स्कूल में वार्षिकोत्सव आयोजित किया गया था। इसकी थीम भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर आधारित थी। छात्रों ने विभिन्न नृत्य एवं नाटक के माध्यम से श्री कृष्ण के जन्म से लेकर बाल लीला, रास लीला, गोवर्धन पर्वत धारण, कंस वध, सुदामा मिलन, महाभारत, दशावतार आदि का सजीव चित्रण कर दर्शकों को श्रीकृष्ण युग में पहुंचा दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत गणेश वंदना व सरस्वती वंदना के साथ हुई। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। श्रीकृष्ण के जीवनकाल को नृत्य व नाटकों के माध्यम से बताया गया । स्कूल के छात्रों ने मलखंभ पर शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान स्कूली विध्यार्तियो ने देशभक्ति से लेकर जागरूकता से भरे कार्यक्रमो की मनमोहक और नृत्यमय आकर्षक व विविधापूर्ण प्रस्तुतियां दी । कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण और आस-पास के ग्रामीणजनों ने भी देर रात तक कार्यक्रम मे मौजूद रहे । संस्था निदेशक व प्राचार्य विजय कुमार सोनी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विगत वर्ष में स्कूल द्वारा अर्जित उपलब्धियों की जानकारी दी। वार्षिकोत्सव को सफल बनाने व विद्यार्थियों को हमेशा सही राह दिखाने के लिए अपने समस्त शिक्षकों का भी आभार व्यक्त किया। जिसमे नन्हे नन्हे बच्चो द्वारा कार्यक्रम में पुलवामा हमले को लेकर कार्यक्रम प्रस्तुत किया और कई विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगीतों पर अपनी प्रस्तुतियां दी कार्यक्रम मे ग्रामीणो के साथ ही अतिथियों ने विद्यार्थियो के कार्यक्रम की सराहना की।

कांग्रेस ने 138 वां स्थापना दिवस मनाया

माही की गूंज, पेटलावद।

बुधवार को रेस्ट हाउस पर समस्त कांग्रेसी कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधियो के साथ कांग्रेस का 138वां स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस के कार्यक्रम मे कांग्रेस के चुनाव चिन्ह का झंडा लहरा कर मनाया। विधायक वालसिंह मेडा ने झंडा वंदन किया। झंडा वंदन के पश्चात महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया। कांग्रेस के स्थापना दिवस के इस कार्यक्रम में विधायक वालसिंह मेडा, जिला पंचायत सदस्य विक्रम मेडा, सारंगी ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष अग्नि नारायण सिंह, पूर्व जनपद अध्यक्ष हीरालाल डाबी, विधायक प्रतिनिधि शैलेन्द्र लाला गंगाखेड़ी, जयराज भट्ट, महिला कांग्रेस झकनावदा अध्यक्ष सविता राणा, नारायण ताड़ ,जीवन सिंह ठाकुर, मन्नालाल हामड़ ने कांग्रेस पार्टी के स्थापना दिवस की जानकारी कार्यकर्ताओं को देकर कांग्रेस के पूर्वज नेताओं की विचारधारा बताई। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश मुथा ने किया। स्थापना दिवस के इस कार्यक्रम में शेरू लाला, विक्रम चावड़ा, नाना गोयल , बबलू राठौर, जावेद लोधी , मानसिंह युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष झकनावद विजय सिंह मखोड, गुमान सिंह दायमा झकनावदा, आईदान पटेल ,प्रदीप पाटीदार, हरीश लछेटा, गौरव जानी, जगदीश जानी ,मीडिया प्रभारी चंदू राठौड़ के साथ समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

30 को होगी करणी सेना की बैठक

माही की गूंज, भामल।

प्रदेश में आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव से पहले आर्थिक आधार पर आरक्षण देने और एट्रोसिटी एक्ट के विरोध सहित 21 सूत्रीय मांगों को लेकर करणी सेना का 8 जनवरी को भोपाल में जन आंदोलन और महारैली निकाली जाएगी । जिसको लेकर 30 दिसंबर को थांदला तहसील के ग्राम भामल में राजपूत धर्मशाला पर करणी सैनिकों की बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें भामल, नारेला, खवासा, बामनिया, झकनावदा, बोडायता , रतलाम, आदि के साथ राजस्थान के बड़ी सरवा, पाटन, मोहकमपुरा से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी बैठक में शामिल होने पहुंचेंगे।

बस स्टेंड की बिगड़ती व्यवस्थाओं पर किसी का नही है ध्यान

बेतरतीब खड़े वाहनों और बसों से हो जाती है गुत्थम-गुत्था, तय समय से घंटों पहले बस स्टेंड पहुंच जाती है बसें

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला मुख्यालय का बस स्टेंड इन दिनों बदहाल व्यवस्थाओं का शिकार है। जब जहां जिसकी जैसी मर्जी हो वाहनों को बस स्टेंड पर लाकर खड़ा कर दिया जाता है। चूंकि बस स्टेंड के आसपास शैक्षणिक संस्थाएं भी है तो स्कूलों की छुट्टी होने के समय बस स्टेंड की तस्वीर बहुत ही भयावह दिखाई देने लगती है। जिला मुख्यालय से गुजरने वाली बसें भी बस स्टेंड पर बेतरतीब ही खड़ी कर दी जाती है। इसके अलावा अन्य छोटे वाहन भी मुख्य बस स्टेंड पर ही पार्क कर दिए जाते है। ऐसा नहीं है कि बस स्टेंड की व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए पहले कोई प्रयास नहीं किए गए। मगर समस्या को सुलझाने के लिए कोई प्रभावी व ठोंस कदम भी नहीं उठाए गए। व्यवस्थाओं को सुधारने के बाद कुछ दिनों में ही स्थिति वापस ''ढाक के तीन पात'' सी हो जाती है।

हालांकि बस स्टेंड की व्यवस्थाओं में हमेशा तब्दीली आती रही है। मगर इसके सुधार को लेकर किसी तरह का कोई ठोस कदम अब तक नहीं उठाया गया है। यातायात अमला व जिम्मेदार अधिकारी अब तक यहां नित नए प्रयोग करते हुए बस स्टेंड को फुटबाल बनाते रहे है। कभी किस तरफ बसों को खड़े करवाना, कभी किस तरह। हमेशा बसों के खड़े रहने के स्थान को परिवर्तन कर फुटबाल की तरह यहां से वहां करना, बावजूद इसके किसी तरह के गोल पर नहीं पहुंच पाना अधिकारियों व जिम्मेदारों की कार्य कुशलता पर प्रश्न चिन्ह लगाता आया है। कुछ वर्षों पूर्व तत्कालीन कलेक्टर चंद्रशेखर बोरकर ने बस स्टेंड की व्यवस्था को चॉक-चौबंद किया था। जिससे व्यवस्थाओं में काफी सुधार हुआ था, लेकिन उनके जानके बाद स्थितियां बिगड़ती चली गई। देखते ही देखते बस स्टेंड की यह हालत हो गई कि बस कहां खड़ी रहेगी, ऑटो कहां खड़े रहेंगे, बाकी अन्य वाहन कहां खड़े रहेंगे, इसका किसी को कुछ पता नहीं। बस आईये और घुस जाईये बस स्टेंड में और लगा दिजिए बस स्टेंड की व्यवस्थाओं को बट्टा। कहने को यहां यातायात अमले ने जवान भी तैनात कर रखा है, मगर बस चालकों, ऑटो चालकों व अन्य वाहनों पर सिर्फ एक जवान के बस में नहीं है। स्थिति यह हो जाती है कि कई बार व्यवस्था को सुचारू करने के लिए यातायात के जवान को वाहन चालकों के हाथ तक जोड़ने पड़ जाते है।

पिछले दिनों बस स्टेंड पर हुई भयावह हृदय विदारक घटना में एक युवक को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। जिसके बाद प्रशासन दिखलोटी तौर पर हरकत में आया था। मगर बस स्टेंड की व्यवस्था में सुधार करने के बजाय विजय स्तम्भ से लेकर बस स्टेंड पहुंच मार्ग तक अतिक्रमण मुहिम चला दी गई। जिससे बस स्टेंड की व्यवस्थाओं का कोई लेना-देना ही नही था। ऑटो के लिए अलग से स्टेंड की व्यवस्था की गई मगर इसका भी कोई असर बस स्टेंड पर होने वाली अव्यवस्थाओं पर पड़ता नजर नहीं आ रहा है। चालक परिचालक संघ कई बार बस स्टेंड की अव्यवस्थाओं को लेकर जनसुनवाई में गुहार लगा चुका है लेकिन अब तक जिम्मेदारों के कानों पर जूं तक नही रैंगी है। 20 दिसम्बर को फिर एक बार कुछ लोगों ने बस स्टेंड की समस्या को उठाते हुए कलेक्टर मेडम को जनसुनवाई में आवेदन देकर अवगत कराया, लेकिन अभी तक परिणाम शुन्य ही नजर आ रहे है। दिए गए आवेदन में फिर से वही मांगे दोहराई गई है जो पिछले कुछ वर्षों से चालक-परिचालक संघ लगातार करता आ रहा है। मगर अब तक सुनवाई के नाम पर सिर्फ लीपा-पोती ही होती नजर आ रही है। व्यवस्थाओं में सुधार कहीं दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रहा है। जिला परिवहन अधिकारी की स्थिति तो मानों ठंड में ठिठूर रहे उस व्यक्ति जैसी हो गई है जो ठंडे पानी को देखकर नहाना ही नहीं चाहता। आरटीओ मेडम कभी बस स्टेंड की तरफ रूख ही नहीं करती, मानो जैसे उनका इससे कोई लेना -देना ही नहीं है। झाबुआ बस स्टेंड से चलने वाली बसों पर अब तक किराया सूची तक आरटीओ मेडम चस्पा नही करवा पाई है या फिर बस मालिकों ने आरटीओ की जेब नोटो की गर्मी से भर दी है। हादसों के बावजूद कंडम बसों पर आरटीओ का कार्रवाई न करना तो यही दर्शा रहा है। कुल मिलाकर बस स्टेंड में पसरी अव्यवस्थाओं का खामियाजा आमजन व मुसाफिरों को भुगतना पड़ रहा है।

अपने नियत समय से घंटे पहले बस स्टेंड पर पहुंचने वाली बसों के कारण भी समस्या बहुत अधिक गड़बड़ा चुकी है। समय पर आकर जाने वाली बसों को इन बसों के कारण कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिससे चालक-परिचालकों में आए दिन जुतम पैजार हो जाती है। आए दिन इसको लेकर शिकायतें भी होती है लेकिन बावजूद इसके कुम्भकर्णी नींद में सोया प्रशासन हरकत में नहीं आता। यातायात अमला यदा-कदा अपनी उपस्थति दर्ज करवाने और अधिकारियों को खुश करने के लिए दिखावटी तौर पर बस स्टेंड पर आकर हा-हू कर लौट जाता। वहीं बस स्टेंड पर लगने वाले फ्रुट व चाय के ठेले भी बस स्टेंड की इस अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार है। ठेले लग जाने से बस स्टेंड का काफी हिस्सा अनुपयोगी हो जाता है। जिसके चलते भी यहां यातायात बाधित होता है। कई बार तो स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि आपातकाल सेवाओं के लिए भी यहां रास्ता मिल पाना मुश्किल हो जाता है। इसलिए जिम्मेदारों को चाहिए कि बस स्टेंड की अव्यवस्था को व्यवस्था में तब्दील कर आमजनता व मुसाफिरों को राहत पहुंचाए।

न नौमन तेल होगा न राधा नाचेगी की तर्ज पर कार्य करता राजस्व विभाग

रस्म आदायगी के लिए मौके पर पहुंचे तहसीलदार मौखिक रूप से काम बन्द करने का बोल कर आ गये, बड़े साहब बोल रहे जांच करेंगे

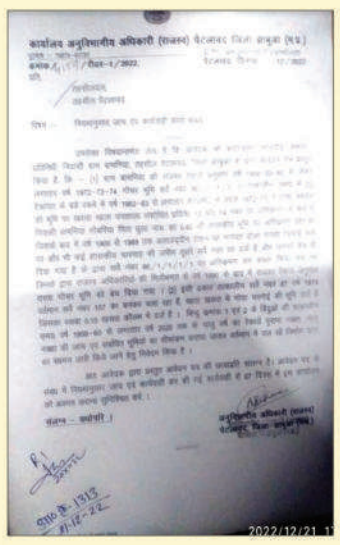

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

यहां पेटलावद विकास खण्ड की ग्राम पंचायत बामनिया जहा 1975 के बाद से राजस्व विभाग का बंदोबस्त नही हुआ है। 1959-60 के रिकॉर्ड में दर्ज कई बड़ी सरकारी जमीनें अलग-अलग मदो की राजस्व रिकॉर्ड में देखते-देखते निजी हो गई ओर उनकी बड़े स्तर पर खरीद फरोख्त की जा रही हैं। शिकायते होती हैं तो उन पर कार्रवाई ओर जांच रस्म अदायगी के लिए होती हैं। क्योकि राजस्व विभाग के पास उपलब्ध पुराने रेकॉर्ड को बिना देखे ही वर्तमान रेकॉर्ड ओर रजिस्ट्री के आधार पर जांच कर मामले को रफा-रफा कर दिया जाता है।

मामला ग्राम बामनिया का जहा सर्वे क्रमांक 104,105 और 106 को लेकर सरकारी जमीन की बंदरबांट होने की जानकारी सामने आई है। मामले की शिकायत दिलीप मालवीय द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद को मय रिकॉर्ड के जानकारी सहित की थी। एसडीएम से जांच का आश्वासन भी मिला और मौके पर जारी कार्य को रोकने का आश्वासन भी। लेकिन न कार्य रुका न कार्रवाई हुई कही न कही भू-माफिया अपना खेल पर्दे के पीछे से खेलकर मामले को दबाने में कामियाब हो जाते हैं।

राजस्व विभाग की मनमानी

वर्तमान में राजस्व विभाग की कार्य शेली को देखे तो उनकी पूरी कार्रवाई न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी की तर्ज पर हो रही है। जन मानस की और से बड़े भू-माफियाओ ओर रसूखदार लोगो के विरुद्ध हिम्मत जुटाकर शिकायत करने वालो शिकायतकर्ताओ को न्याय की जगह धमकी हिस्से आती है और जबाबदार शिकायत को खुद के लिए चांदी का जूता बना लेते हैं। बामनिया में हुई शिकायत के बाद एसडीएम अनिल कुमार राठौर ने मामला तहसीलदार को जांच के लिए भेजा लेकिन जारी पत्र में कार्य रोकने का नही कहा गया। मौके पर पहुँचे तहसीलदार महोदय और पटवारी साहब मोखिक रूप से कार्य रोकने का बोलकर रवाना हो गए। न पंचनामा बना न मौका जांच की ओर निर्माणकर्ता को बड़े साहब जांच करेगे बोल कर रवाना हो गए।

सही तो ताबड़तोड़ काम क्यो, कार्यकाल से लीक हो जाती है जानकारी

बताया जा रहा है निर्माणकर्ता के पास रजिस्ट्री है जिसके आधार पर ग्राम पंचायत से अनुमति ली गई है। लेकिन शिकायतकर्ता के अनुसार भूमि राजस्व रेकॉर्ड में सरकारी दर्ज थी जो बाद में रेकॉर्ड में हेरा-फेरी करने के बाद निजी हो गई है। शिकायत के बाद भूमि स्वामी ने निर्माण कार्य तेजी से करते हुए दिन-रात कार्य करते हुए दुकान खड़ी कर दी। अब सवाल ये खड़ा होता है कि, जब सब कुछ सही है तो जल्दबाजी किस बात की जा रही हैं।

शिकायतकर्ता दिलीप मालवीय ने बताया कि, आवेदन के बाद जिस प्रकार का आश्वासन अधिकारी से मिला था उसके अनुसार कार्रवाई नही हो रही। भू-माफिया स्थानीय नेताओं की साठ-गांठ से सरकारी जगह को निजी बनाया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने बताया कि, भू-माफियाओ की साठ-गांठ इतनी है की जब अधिकारी से मामले में उनके कार्यालय में चर्चा होती है तो उसकी जानकारी भू-माफियाओ तक पहुँच जाती है और उनके फोन आना शुरू हो जाते हैं।

श्वेता संतोष जैन लोकतंत्र प्रहरी संघ की जिला सहसयोजक नियुक्त

माही की गूंज, पेटलावद।

1975 से 1977 करीब 21 महीनो तक भारत में इमरजेंसी का दोर रहा 1975 मे लगे आपत काल (इमरजेंसी) के दोर में आवाज बुलंद करने वाले लोकतंत्र प्रहरी जिसे भाजपा परीवार की रीड कहा जाता है, जिसे जनसंघ के नाम से भी जाना चाहता है।

स्वतंत्रता के बाद पूरे भारत देश में एक ऐसा दौर आया जब देश के नागरिकों से बोलने का अधिकार छीन लिया गया। 1975 से आपातकाल की घोषणा की गई। यह करीब 21 महीनों तक चला उस समय झाबुआ जिले से भी कई व्यक्तियों को जेल में डाल दिया गया और उन्हीं व्यक्तियो को बाद में मीसाबंदी के रुप मे सम्मानित किया गया। मीसाबंदी का समाज ओर देश मे बड़ा योगदान है। वही मीसाबंदीयो ओर परीवार के सम्मान में भाजपा द्वारा लोकतंत्र प्रहरी संघ की स्थापना की गई। इसी कडी में पेटलावद की श्वेता पिता संतोष जेन का परीवार भी जनसंघ परीवार में आता है। श्वेता के दादाजी स्व.माणकलाल मूणत मीसाबंदी थे। लोकतंत्र प्रहरी संघ झाबुआ जिलाध्यक्ष विनोद पुरोहित, एवं योगेश भावसार अध्यक्ष जिला लोकतंत्र सेनानी संघ एवं माननीय नरेन्द्र अग्रवाल संयोजक प्रदेश लोकतंत्र प्रहरी संघ भोपाल मध्यप्रदेश की सहमति से झाबुआ लोकतंत्र प्रहरी संघ का जिला सहसंयोजक श्वेता जैन को नियुक्त करते हुए नियुक्ति पत्र सोपा गया। संघ की और से श्वेता को शुभकामनाये ओर बधाई दी है। श्वेता ओर जेन परिवार ने इस मनोनयन के लिये सभी वरिष्ठों का आभार व्यक्त किया है।

क्रिसमस पर्व उत्साह के साथ मनाया

माही की गूंज, थांदला।

कैथोलिक डाइसिस झाबुआ के थांदला चर्च में क्रिसमस पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह में मिस्सा पूजा के मुख्य याजक झाबुआ डाइसिस के प्रशासक फादर पीटर खराड़ी थे। उन्होंने क्रिसमस पर्व मानव मुक्ति के लिए ईश्वर की योजना बताई। उन्होंने कहा कि, ईश्वर ने माता मरियम को अखंड कुवारी रखते हुए, स्वयं मां मरियम से जन्म लिया। मनुष्य की मुक्ति के लिए यह आवश्यक था कि, ईश्वर मनुष्य बनकर मनुष्य का जीवन जीते हुए मनुष्य मात्र का उद्धार करे। यही मनुष्य के लिए ईश्वर का निःस्वार्थ प्रेम था। फादर पीटर खराड़ी एवं पल्लीपुरोहित ने सभी को क्रिसमस पर्व की शुभकामनाएं दी।

चवरीया से सादडीया मार्ग बनेगा 12 करोड़ में मंजूरी के बाद ग्रामीणों में हर्ष

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

आजादी के बाद से सड़क का सपना संजोय बैठे चवरीया, सादेडीया के ग्रामीणों का सपना साकार होता दिख रहा है। प्रदेश में लम्बे समय तक कांग्रेस की सरकार रही इसके बाद लगभग 17 वर्षो से भाजपा सरकार प्रदेश में है। ग्रामीणों द्वारा लगातार सड़क की मांग की जा रही थी, लेकिन जनप्रतिनिधियो एवं नेताओ की नजर इस समस्या पर नही पड़ रही थी। लम्बे अंतराल के बाद अब कही जा कर इस गांव में रोड़ को मंजूरी प्रदान कर दी है। अब रोड़ का सपना साकार होने जा रहा है। इस खबर से चवरीया, सादेडीया के ग्रामीणो में अपार खुशी दिखाई दे रही है।

सारंगी मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी ने प्रदेश के मुखिया शिवराज?सिंह चौहान को उनके स्थानीय नेताओ के माध्यम से बार-बार अवगत करवाया। जिनकी मेहनत का परिणाम रहा और रोड की मंजूरी हो गई। उक्त 11 कि.मी. का मार्ग 12 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार होगा। मार्ग स्वीकृत होने पर भाजपा मंडल सारंगी एवं चवरीया, सादेडीया के भाजपा कार्यकर्ता नन्दराम भुरीया, दिनेश मैड़ा, केलाश मैड़ा, गोपाल डामर, अर्जुन निनामा आदि अनेक भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की ओर से सरकार का आभार मानते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

सड़क स्वीकृत होते ही राजनीति शुरू

उक्त सड़क की स्वीकृती हुई ही थी कि, मार्ग को लेकर भाजपा-कांग्रेस की राजनिती शुरू हो गई। फिलहाल उक्त सड़क का कार्य कागजो में स्वीकृत हुआ है इसका निर्माण कब और कैसे शुरू होकर इस मार्ग पर वर्षो से इंतजार कर रहे ग्रामीण कब चल पाएंगे ये अभी कहना मुश्किल है। लेकिन रोड स्वीकृति को लेकर कांग्रेस के विधायक वालसिंह मेडा और स्थानीय भाजपा नेता अपनी-अपनी पीठ थप-थपा कर श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। एक और कांग्रेस विधायक मेडा रोड को स्वीकृत करवाने की बात कर रहे, तो दूसरी ओर सांरगी क्षेत्र के भाजपा मंडल अध्यक्ष सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर इस मार्ग की स्वीकृति का श्रेय सरकार को दे रहे हैं। तय है रोड को लेकर आगे भी राजनीति होगी और नेताओं की श्रेय लेने की होड़ में मंजुरी के बाद भी कही वर्षो से रोड की राह में बैठे ग्रामीणों को लंबा इंतजार न करना पड़ जाए।

लापरवाही कहीं भारी न पड़ जाए, चाइना डोर से हो रही पतंगबाजी

कई लोग गवा चुके हैं जान, हर बार होती है कार्यवाही लेकिन दुकानदार नही लेते सबक

इस प्रकार सड़को पर बिखर रहा चाइना डोर

माही की गूंज, झाबुआ।

मकरसंक्रांति त्यौहार के निकट आते ही आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से पटने लग गया हैं। लोग इस मौसम में पतंगबाजी का मज़ा लेते हैं, लेकिन इस पतंगबाजी के लिए उपयोग किये जाने वाले धागे (डोर) से होने वाले हादसों में कई लोगो को जान तक गवाना पड़ती है, खासकर चाइना डोर जो पहले से प्रतिबंधित है। पतंगबाजी करने वाले लोगो के साथ-साथ दुकानदार भी चाइना डोर का उपयोग करते हैं। नगर के आसमान में उड़ रही पतंग के साथ उड़ने वाला चाइना डोर नीचे आकर किसी की मौत का कारण बन जाये कह नही सकते, यहां लोग बाजार में आसानी ने मिलने वाले चाइना डोर से पतंगबाज़ी कर रहे हैं ।

लापरवाही कही भारी न पड़ जाए

हर बार प्रशासन की जानकारी में चाइना डोर के उपयोग होने की बात आती है। लेकिन प्रशासन समय रहते चाइना डोर बेचने वालों पर कार्रवाई न करते हुए, किसी हादसे का इंतजार करता है और कोई हादसा होने के बाद तुरंत मैदान में उतर कर कार्रवाई करता है। गत वर्ष भी पुलिस ने चाइना डोर को लेकर कार्यवाही करते हुए प्रतिबंधित डोर बेचने वालों के खिलाफ प्रकरण बनाये थे जो फिलहाल इस बार देखने को नही मिल रहा।

फाईल फोटो

रहे सावधान, जा सकती हैं जान

जिले की सड़को ओर नगर की गलियों से निकलते समय सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि पतंग के कटने के बाद धागा नीचे आता है और प्रतिबंधित चाइना डोर जो कि, दिखाई तक नही देता और काफी मजबूत और तेज़ होता है जो शरीर के किसी भी हिस्से को काट सकता है जिंसमे व्यक्ति की जान तक जा सकती है।

दिक्षा ग्रहण: प्रियांश लोढ़ा बने जिनांशमुनि

माही की गूंज, थांदला।

छोटी काशी के नाम से जानी जाने वाली थांदला नगरी से अब तक 30 से अधिक ने जैन भगवती दीक्षा धारण कर अपने जीवन को आत्म कल्याण में लगाया है। जैनाचार्य श्री जवाहरलालजी महाराज एवं जिनशासन गौरव श्री उमेशमुनिजी महाराज ÷अणु÷ ने यही जन्म लिया व आत्म कल्याण के साथ पूरे देश को धर्म की अलौकिक शक्ति से जागृत कर जिन शासन की प्रभावना की। इसी श्रृंखला को उनके अंतेवासी शिष्य पूज्य श्री धर्मदास गण के नायक बुद्धपुत्र आगम विशारद श्री जिनेन्द्रमुनि महाराज साहेब ने आगे बढ़ाते हुए अनेको को संयम के लिए प्रेरित किया। उनकी व संतों की वाणी से प्रेरणा लेकर देवास के निकट तीन भव्य आत्माओं ने निर्भय वक्ता पूज्य श्री गुलाबमुनिजी के सानिध्य में आगम विशारद श्री जिनेन्द्रमुनिजी के मुखाग्र से 54 संत-सतियों के सानिध्य में देवास के हाटपिपल्या में जैन भगवती दीक्षा ग्रहण की।

तीन घण्टे से ज्यादा समय चले दीक्षा समारोह में निर्भय वक्ता पूज्य श्री गुलाबमुनिजी, जिनेन्द्रमुनिजी, धर्मेन्द्रमुनिजी एवं अन्य संतों ने उपस्थित धर्म परिषद को मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुए संयम का महत्व बताया। महासतियों ने मंगल स्तवन सुनाए। प्रवर्तक श्री ने दीक्षार्थी भाइयों को आलोचना आदि क्षेत्र शुद्धि विधि सम्पन्न करवाते हुए करेमि भंते के पाठ से तीन करण तीन योग से पूर्ण रूप से सकल सावद्य योग (पाप क्रियाओं) के त्याग करवाये। इसी के साथ तीनों मुनियों के सांसारिक नाम बदल आध्यात्मिक नाम प्रदान किये। रतलाम निवासी पवन कासवा अब पावन मुनिजी, थांदला का नाती इंन्दौर निवासी प्रांसुक भाई प्रसन्नमुनिजी व थांदला के प्रियांश अब जिनांशमुनिजी के नाम से जाने जाएंगे।

गूंज ख़बर के बाद हरकत में आया प्रशासन, कटे हुए सागवान के पेड़ का पंचनामा बनाकर की जप्ती

होगा प्रकरण दर्ज या दिखावे की कार्रवाई में निपट जाएगी कार्रवाई...?

माही की गूंज, पेटलावद/अमरगढ़

लगातार पिछले दो अंक में पेटलावद विकासखण्ड की ग्राम पंचायत अमरगढ़ में सागवान के लगभग 20 पेड़ काटने का मामला उजागर किया गया जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया। पेटलावद एसडीएम अनिल राठौर के निर्देश के बाद प्रभारी तहसीलदार जगदीश वर्मा और पटवारी ने मौके पर पहुचकर मौके पर कटे हुए लगभग 15 पेड ओर उसके टुकड़े जप्त किये। मौके पर पंचनामा भी बनाया गया और पेड़ ग्राम पंचायत के जबाबदारो को सुपर्द किये गए। तहसीलदार जगदीश वर्मा ने बताया कि, मौके पर कई सागवान के पेड़ कटे हुए पाए गए हैं, मौका पंचनामा बना कर कटे हुए पेड़ जप्त किये गए हैं और बिना अनुमति के पेड़ काटने वालो पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है मौके पर कार्रवाई के दौरान भूमि स्वामी उपस्थित नही हुआ।

क्या होगा मामला दज...?

वन संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत शासकीय या निजी भूमि पर लगे पेड़ बिना अनुमति के काटना कानूनी अपराध है। ऐसे में इस मामले में बिना अनुमति पेड़ काटने वालो पर मामला दर्ज हो सकता हैं पर देखना यह है कि, प्रशासन ने खुद मौके पर पंचनामा बनाकर बड़ी संख्या में कटे हुए पेड़ पाये गये। तथा काटने के बाद जो पेड़ माही की गूंज में मामला उजागर होने के बाद नही ले जा सके थे जिसे जप्त किये हैं और कटे हुए कई पेड़ो के ठुठे भी मौके पर मिले हैं। बावजुद प्रशासन इस पर मामला दर्ज कर आरोपियो तक पहुचेगा या फिर उपर-उपर ही मामले को खत्म कर देगा...? की चर्चा क्षेत्र में हो रही है।

दो विकास खण्ड में उलझा रहा मामला

वन विभाग, पेटलावद ओर थांदला के बीच मामला उलझा रहा, दोनों कार्यालय जबाबदार बिट और वन क्षेत्र की बात कर मामले को एक-दूसरे की ओर फेंकते रहें। चुकी थांदला वन विभाग की बिट क्षेत्र का होकर पेटलावद राजस्व सीमा का था इसलिए एसडीएम राजस्व को पंचनामा कार्यवाही करनी पड़ी ।

संपादकीय

नेपाल में फिर हुई प्रचंड की वापसी

आखिरकार नाटकीय घटनाक्रम के बाद नेपाल में नई सरकार बनी है। आम चुनावों के एक माह बाद बनी नई सरकार का नेतृत्व प्रधानमंत्री के रूप में सीपीएन-माओवादी सेंटर के नेता पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' करेंगे। दरअसल, बीस नवंबर को हुए चुनावों में एक त्रिशंकु सदन की तसवीर उभरी थी।

यद्यपि इन चुनावों में पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके व निवर्तमान प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरी थी। ऐसे में देउबा प्रधानमंत्री बनने के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे थे। लेकिन प्रचंड ने नाटकीय घटनाक्रम के बाद प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है। चुनाव के दौरान नेपाली कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाले माओवादी नेता प्रचंड ने गठबंधन को धता बताकर पलटवार किया। जो हाल के दिनों में नेपाल में जारी राजनीतिक विरोधाभास का ही पर्याय है। प्रचंड ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली की पार्टी से समझौता कर लिया है। दोनों ढाई-ढाई वर्ष के लिए सरकार का नेतृत्व करने पर सहमत हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि, पिछले वर्ष प्रचंड ने ओली से नाता तोड़ लिया था, जिसके बाद ओली की सरकार गिर गई थी। फिर प्रचंड ने प्रधानमंत्री पद के लिए शेर बहादुर देउबा का समर्थन किया था। राजशाही के पतन के बाद नेपाल में सत्ता के लिए संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता नेपाल का स्थाई परिदृश्य बन गया है। किसी भी प्रधानमंत्री के लिए दो वर्ष से अधिक सत्ता में बना रहना मुश्किल होता रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि, क्या प्रचंड व ओली की जोड़ी नेपाल को स्थिर सरकार देने में सक्षम हो पाएगी...? बहरहाल, नेपाल के हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के विशेष मायने हैं। इसकी वजह यह भी है कि, हाल के दशक में चीन, नेपाल में सत्ता बनाने व बिगाड़ने के लिए कूटनीतिक खेल खेलता रहा है। खासकर वामपंथी दलों में उसकी खासी दखल रही है।

यही वजह है कि, नेपाल में हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के चलते भारतीय कूटनीतिक क्षेत्रों में असहजता है। उल्लेखनीय है कि, शेर बहादुर देउबा सरकार के दौरान भारत व नेपाल के रिश्तों में आशातीत सुधार हुआ था। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष मई में बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी का दौरा किया था। इस दौरान संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर दोनों देशों के सदियों पुराने रिश्तों को मजबूती देने के मकसद से किए गए। ऐसे वक्त में जब भारत हितैषी देउबा अब सत्ता से बाहर हो गए हैं तो भारत को नेपाल के साथ संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करना होगा। इसकी वजह यह है कि, सीपीएन-माओवादी सेंटर के नेता पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' व पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली का चीन के प्रति खास झुकाव रहा है। ओली गाहे-बगाहे भारत के खिलाफ आक्रामक होते रहे हैं। दरअसल, हाल के दिनों में क्षेत्र के हिमालयी देश चीन की कूटनीति के केंद्र में रहे हैं। चीन लगातार भारत की घेराबंदी करता रहा है। वहीं चीन का लक्ष्य इन हिमालयी राष्ट्रों में व्यापार, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना रहा है। नेपाल में चीन ने हाल के दिनों में बड़ा निवेश किया है। उसकी कोशिश नेपाल की निर्भरता भारत पर कम करने की रही है। कहा जाता है कि, वर्ष 2018 में चीन ने प्रचंड और ओली के नेतृत्व वाली पार्टियों के एकीकरण में गहरी भूमिका निभाई थी। अब नई सरकार बनने के बाद चीन नेपाल की राजनीति में प्रभाव डालने के लिये इन नेताओं पर निर्भर रहेगा। ऐसे हालात में नई दिल्ली को काठमांडू में नई सरकार से बेहतर रिश्ते बनाने तथा पुराने विवादों को सुलझाने के लिये रणनीति में बदलाव लाने की जरूरत है। दोनों देशों के बीच शांति व मित्रता के लिये 1950 में की गई भारत-नेपाल संधि समेत विभिन्न समझौतों व संधियों की समीक्षा वक्त की दरकार है। वर्ष 2018 में दोनों देशों के प्रतिनिधियों वाले एक पैनल ने वर्तमान हकीकत को दर्शाने के लिये द्विपक्षीय समझौतों की समीक्षा की सिफारिश की थी। भारत को ओली से सामंजस्य बनाने के लिये कुशल कूटनीतिक पहल की जरूरत होगी क्योंकि कुछ वर्ष पहले उन्होंने संदिग्ध क्षेत्रीय दावों के जरिए भारतीय संप्रभुता को चुनौती दी थी।

प्राथमिक सावधानियों से ही कोविड से निजात

अब जबकि हम महसूस करने लगे थे कि कोविड महामारी से छुटकारा पा लिया है, चीन में बढ़ते मामलों ने हमारे आत्मविश्वास को हिला डाला। बीजिंग में कोविड मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है और कुछ के अस्पताल में भर्ती होने की नौबत बन गई। रिपोर्टों के मुताबिक, चीन के अस्पतालों में मरीजों की विशाल आमद से इलाज के लिए बिस्तर एवं उपकरण कम पड़ गए हैं। अनुमान हैं कि वर्ष 2023 में चीन में 10 लाख लोग कोविड का ग्रास बनेंगे। जापान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और फ्रांस के अलावा दुनियाभर में कोविड मामले लगातार बढ़ने लगे हैंदृ औसतन साठ हजार के करीब रोजाना। चीन द्वारा अपनी कड़ी 'जीरो-कोविड' नीति के तहत प्रत्येक कोविड केस को खोजकर इलाज करने और पीड़ित को अलग-थलग कर देने के बावजूद ऐसा उछाल आने के पीछे सटीक कारण अभी तक मालूम नहीं हैं। बहुत से कयास लगाए जा रहे हैं, जिनमें बुजुर्ग आबादी में नाकाफी टीकाकरण और 'प्राप्त सामूहिक रोग-प्रतिरोधक शक्ति' (हर्ड इम्यूनिटी) नदारद होना भी शामिल हैं। कोविड के बीएफ-7 वेरियंट को चीन में आए उछाल का जिम्मेवार बताया जा रहा है (यह बीए ओमीक्रॉन का उप-वंशज है)।

भारत ने अपेक्षाकृत 'नर्म' ओमीक्रॉन वेरियंट को सहा था, जिसका दूसरी लहर में बहुत फैलाव हुआ था। माना जा रहा इससे बनी हर्ड इम्यूनिटी के ऊंचे स्तर ने बाद वाली लहरों में हमारे लोगों को बचाए रखा। जहां भारत में भी कुछ मामलों में नये वेरियंट बीएफ-7 की शिनाख्त हो चुकी है (किंतु अभी तक उछाल नहीं आया) वहीं कोविड मामलों की संख्या दिनो-दिन घटी है।

तथापि नया रूप धरे यह वेरियंट गंभीर चुनौती पैदा कर सकता है। किसी भी वायरस में अपना क्रमिक विकास करने की संभावना होती है और इससे नए-नए खतरे पैदा होते हैं, खासकर जब नया रूपांतर बहुत संक्रामक किस्म का हो जाए। इसलिए जीनोम सीक्वेंसिंग करना वैज्ञानिक तरजीह होनी चाहिए ताकि नए-से-नए और रूपांतरित हुए वायरसों का निदान हो सके। मीडिया खबरों के अनुसार भारत सरकार ने आसन्न खतरे को भांपकर पहले ही यथेष्ट 'निगरानी एवं पड़ताल' कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। सभी पॉज़ीटिव केसों की जीनोम सीक्वेंसिंग करने के निर्देश सही दिशा में बढ़िया फैसला है।

पिछले अनुभव से सीखकर, खासकर दूसरी भयानक कोविड लहर से, हमारा तंत्र अब पहले से बेहतर तैयार है। हालांकि यहां बहुत अहम है कि सावधानी कतई न छोड़ें। सरकार के व्यवस्थागत प्रयास कोविड संकट से निपटने का केवल एक हिस्सा होते हैं, बतौर एक भागीदार हम सबको भी अपने आचार-व्यवहार में कोविड संहिता का पालन करते हुए अपना-अपना अंशदान डालना होगा, जिस पर महामारी की शुरुआत से ही जोर दिया जा रहा है। बेशक, सबसे महत्वपूर्ण है मास्क का प्रयोग, खासकर बंद जगहों, भीड़-भाड़ में और जब किसी संक्रमित के नज़दीक हों। जो कोई भी अस्पताल जाता है, चाहे बतौर मरीज़ या किसी की देखभाल करने, उसे मास्क जरूर पहनना चाहिए। इसके अलावा जितना संभव हो सामाजिक-दूरी बनाए रखने के अलावा, समुचित हाथ धोना और भीड़-भाड़ से बचना, यह वही हालिया तरीके हैं, जिनको फिर से अपनाना होगा।

जिन लोगों ने अभी तक टीके की बूस्टर या सावधानी डोज़ नहीं ली है, फौरन लगवा लें। वैक्सीन गंभीर लक्षण और स्थिति से बचाने में सबसे प्रभावी पाई गई है। अफसोस है कि पात्र 70 फीसदी लोगों ने बूस्टर डोज़ नहीं लगवाई। उम्मीद की जानी चाहिए कि अन्य देशों में आया वर्तमान कोविड उछाल हमारे लोगों के अंदर वैक्सीन की इस अतिरिक्त डोज़ के महत्व का अहसास जगाएगा। केंद्रीय और प्रदेश सरकारों को अपना वैक्सीन अभियान फिर से चलाना चाहिए ताकि उन सबको लगे, जो छूट गए हैं। हमें बच्चों के लिए वैक्सीन अभियान की भी पुनर्समीक्षा करनी होगी। जो लोग जोखिम वाले वर्ग में आते हैं, खासकर बुजुर्ग और जिन्हें कोई अन्य बीमारी पहले से है, उन्हें विशेष ध्यान एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। एक बार संक्रमण शरीर में घुस जाए तो मृत्यु दर इन्हीं वर्गों में अधिक है। इसके अलावा, यदि लॉकडाउन हुआ तो इन लोगों को अस्पतालों में अपनी अन्य बीमारियों के इलाज हेतु बाह्य रोगी विभाग की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी। कोविड संबंधित अन्य बीमारियां घटाने के लिए इस जोखिमज़दा वर्ग की जरूरतों का ध्यान खासतौर पर महत्वपूर्ण है। शायद यही समय है कि इस नाजुक वर्ग को दूसरी एहतियातन/ बूस्टर डोज जल्द लगनी चाहिए।

पंजाब जैसे राज्य, जहां पर जोखिमजदा वर्ग में आने वालों की संख्या बहुत अधिक है, राज्य सरकार को पूर्व-तैयारी करनी चाहिए ताकि सुनिश्चित हो सके कि मेडिकल तंत्र नई चुनौती से लड़ने के लिए सुसज्जित है। यहां मुझे लंबे समय से चले आ रहे किंतु बृहद विषय की याद आ रही है यानी हमारे मेडिकल एवं स्वास्थ्य ढांचे में व्याप्त कमजोरियां और कमियां। हमारे सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं देखभाल ढांचे का ईमानदार आकलन करना एकदम जरूरी है। कोविड-19 महामारी ने हमारे मेडिकल एवं स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों की शोचनीय उपेक्षा और अवस्था को उजागर किया है, खासकर ग्रामीण और छोटे कस्बों में। इन संस्थानों को कर्मियों की संख्या और आधारभूत ढांचा विकास से मजबूत करने की जरूरत है। प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जहां निजी क्षेत्र ने शहरी इलाकों में कुछ हद तक स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता में योगदान किया है वहीं ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रो में यह नाकाफी है।

स्वास्थ्य चूंकि राज्य सरकारों का विषय है, प्रत्येक सूबा प्रशासन को लोगों के प्रति इस फर्ज को पूरा करने के लिए और कदम उठाने होंगे।

केके तलवार

स्वास्थ्य सुविधाओं को सुधारना एक फौरी जरूरत है। मेडिकल व्यवसायियों को प्रोत्साहन योजना देकर ग्रामीण स्वास्थ्य सुधारने की पहलकदमी की जाए। घर बैठ उचित मेडिकल परामर्श (टेलीमेडिसिन) वाला तरीका अपनाया जाए और इस पर क्रियान्वयन हो ताकि अस्पतालों में भरती होने वालों का दबाव कम हो पाए। दिल्ली में शुरू की गई मोहल्ला क्लीनिक योजना, जो कि सफल प्रतीत होती है, का अनुसरण बाकी राज्यों में किया जाए। अब यह साफ हो चला है कि नित नए कोविड रूपांतर हमारे साथ ही बने रहेंगे और फिलहाल हमारे पास इनके साथ जीना सीखने के अलावा कोई और विकल्प नहीं हैं, उम्मीद के ज्यादा लंबे वक्त तक। समय रहते जरूरी कदम उठाने से हमारा विश्वास हमारी व्यवस्था में बना रहेगा और संक्रमण की अनपेक्षित लहर बनने पर भगदड़ की स्थिति बनने से बचेगी।

जैसा कि किसी ने सही कहा है 'गंभीर संकट से मिली सीख व्यर्थ नहीं जानी चाहिए।' इस लिहाज से उम्मीद की जानी चाहिए कि संक्रमण की पिछली लहरों से मिले सबक और अनुभवों के आधार पर भारत में यह क्षमता है कि कोविड से लड़ाई में दुनिया की अगुवाई कर दिखाए।

जीवन पर संकट बनता जीवनदायी जल

कभी कानपुर के चमड़?ा कारखाने वहां की शान हुआ करते थे, आज यही यहां के जीवन के लिए चुनौती बने हुए हैं। एक तरफ नमामि गंगे के दमकते इश्तिहार हैं तो सामने रानिया, कानपुर देहात और राखी मंडी, कानपुर नगर आदि में गंगा में अपशिष्ट के तौर पर मिलने वाले क्रोमियम की दहशत है। वह तो भला हो एनजीटी का जो क्रोमियम कचरे के निपटान के लिए सरकार को कसे हुए है। यह सरकारी अनुमान है कि इन इलाकों में गंगा किनारे सन? 1976 से अभी तक करीब 1,22,800 घन मीटर क्रोमियम कचरा एकत्र है। विदित हो क्रोमियम ग्यारह सौ सेंटीग्रेड तापमान से अधिक पर पिघलने वाली धातु है और इसका इस्तेमाल चमड़ा, इस्पात, लकड़ी और पेंट के कारखानों में होता है। यह कचरा पांच दशक से यहां के भूजल और जमीन को जहरीला बनाता रहा और सरकारें कभी जुर्माना तो कभी नोटिस देकर औपचारिकताएं पूरी करती रहीं। हालात यह हैं कि उत्तराखंड से तारणहारा के रूप में निकलती गंगा कानपुर आते-आते कराहने लगती है, सरकारी मशीनरी इसमें गंदगी रोकने के संयंत्र लगाने पर खर्चा करती है जबकि असल में इसके किनारों पर कम कचरा डालने की बात होनी चाहिए।

2021 का एक शोध बताता है कि कानपुर में परमट से आगे गंगाजल अधिक जहरीला है। इसमें न सिर्फ क्रोमियम की मात्रा 200 गुना से अधिक है, बल्कि पीएच भी काफी ज्यादा है। यह जल सिर्फ मानव शरीर को नहीं बल्कि जानवरों और फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। यह खुलासा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के बायोसाइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी विभाग की ओर से हुई जांच में हुआ है। विभाग के छात्र और शिक्षकों ने नौ घाटों पर जाकर गंगाजल का सैंपल लिया। इनकी जांच कर टीम ने रिपोर्ट तैयार की है जो काफी चौंकाने वाली निकली है। कन्नौज के आगे गंगाजल की स्थिति बहुत अधिक भयावह नहीं है मगर परमट घाट के आगे अचानक प्रदूषण और केमिकल की स्थिति बढ़ती जा रही है।

मार्च 2022 में कानपुर के मंडल आयुक्त द्वारा गठित एक सरकारी समिति ने स्वीकार किया कि परमिया नाले से रोजाना 30 से 40 लाख लीटर, परमट नाले से 20 लाख और रानीघाट नाले से 10 लाख लीटर प्रदूषित कचरा प्रतिदिन सीधे गंगा में जा रहा है। कानपुर में गंगा किनारे कुल 18 नाले हैं जिनमें से 13 को काफी पहले टैप किए जाने का दावा किया गया है। हकीकत यह है कि ये नाले ओवरफ्लो होकर गंगा को गंदगी से भर रहे हैं।

क्रोमियम की सीमा से अधिक मात्रा जाजमऊ और वाजिदपुर में भयावह हालात पैदा किये है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक पानी में क्रोमियम की मात्रा 0.05 होनी चाहिए। कन्नौज से गंगा बैराज तक स्थिति लगभग सामान्य है मगर जाजमऊ और वाजिदपुर में अचानक क्रोमियम की मात्रा खतरनाक होती जा रही है। 85 गांवों के करीब पांच लाख लोगों की जिंदगी में जहर घोल दिया है। किसी परिवार में गोद सूनी है तो किसी गर्भ से उपजा नवजात मानसिक और शारीरिक रूप से दिव्यांग है। इसके अतिरिक्त भूजल में क्रोमियम की मौजूदगी ने सैकड़ों लोगों को कैंसर की सौगात बांटी है। क्रोमियम युक्त पानी ने धरती को भी बंजर किया है। इलाके में पैदावार घट गई है और फसल भी पकने से पहले मुरझाने लगती है।

जाजमऊ इलाके के शेखपुर, वाजिदपुर, प्योंदी, जाना, अलौलापुर जैसे तमाम गांव है, जहां किसी महिला के गर्भ ठहरने पर खुशी से अधिक तनाव होता है। चूंकि यहां टेनरियों ने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के जरिए जलशोधन के बजाय क्रोमियम युक्त पानी को सीधे गंगा नदी में बहाया है। सख्ती हुई तो अधिकांश टेनरियों ने रिवर्स बोरिंग के जरिए भूजल में प्रदूषित पानी मिलाना शुरू कर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि गंगा के किनारे तीन-चार किलोमीटर के दायरे में भूजल में क्रोमियम की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंच गई। एक दर्जन गांवों में सरकार ने भूजल के पेयजल के रूप में प्रयोग पर रोक भी लगाई है। मजबूरी में ग्रामीण भूजल का इस्तेमाल करते हैं। इसके चलते शिशुओं के दिव्यांग पैदा होने की घटनाएं सामने आई हैं। उन्नाव जनपद में गंगा कटरी में आबाद एक दर्जन गांवों में दर्जनों कैंसर रोगी हैं। जब यह पता चला कि कैंसर ग्रस्त अधिकांश लोग तम्बाकू सेवन या धूम्रपान करते ही नहीं हैं तो तीन साल पहले राज्य सरकार ने अध्ययन कराया। मालूम हुआ कि कैंसर फैलने का असल कारण भूजल में क्रोमियम है।

गंगा की समस्या केवल जल-मल या रसायन के मिलने से पानी की गुणवत्ता गिरना मात्र नहीं हैदृ जलवायु परिवर्तन के दौर में अनियमित बरसात, जंगल कटाई व शहरीकरण के कारण यह बार-बार रास्ता बदल रही है। इसके तटों पर कटाव बढ़ा है, इसकी जैविक संपदा समाप्त हो रही है।

गंगा के किनारे खेतों में अधिक अन्न उगाने का चस्का लगा है और इसके लिए जहरीले रसायन को धरती में झोंका जाता है। अनुमान है कि नदी तट के करीब हर साल सौ लाख टन उर्वरकों का इस्तेमाल होता है, जिसमें से पांच लाख टन बहकर गंगा में मिल जाता है। 1500 टन कीटनाशक भी मिलता है। सैकड़ों टन रसायन, कारखानों, कपड़ा मिलों, डिस्टलरियों, चमड़ा उद्योग, बूचड़खाने, अस्पताल और सैकड़ों अन्य फैक्टरियों का निकला उपद्रव्य गंगा में मिलता है। 400 करोड़ लीटर अशोधित अपद्रव्य, 900 करोड़ अशोधित गंदा पानी गंगा में मिल जाता है। नगरों और मानवीय क्रियाकलापों से निकली गंदगी नहाने-धोने, पूजा सामग्री, मूर्ति विसर्जन और दाह-संस्कार से निकला प्रदूषण गंगा में समा जाता है।

गंगा में उद्योगों से 80 प्रतिशत, नगरों से 15 प्रतिशत तथा आबादी, पर्यटन तथा धार्मिक कर्मकांड से 5 प्रतिशत प्रदूषण होता है। आबादी की बाढ़ के साथ, पर्यटन, नगरीकरण और उद्योगों के विकास ने प्रदूषण के स्तर को आठ गुना बढ़ाया है।

लेखक :- पंकज चतुर्वेदी

राजस्थान में टूटेगा सत्ता बदलने का मिथक ?

राजस्थान में अगले वर्ष दिसंबर के प्रथम सप्ताह में विधानसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में प्रदेश में सक्रिय सभी राजनीतिक दलों ने अपनी राजनीतिक गतिविधियों व कार्यक्रम को तेज दिया है। सभी दलों ने चुनाव की जोर शोर से तैयारियां शुरू कर दी है। राजस्थान में फिलहाल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की सरकार चला रहे हैं। वही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में है। 1993 के विधानसभा चुनाव से राजस्थान में सरकार बदलने का रिवाज चला आ रहा है। यहां एक बार भाजपा की तो अगली बार कांग्रेस की सरकार बनती रही है। पिछले 30 वर्षों से चले आ रहे इस मिथक को अभी तक कोई भी राजनीतिक दल नहीं तोड़ पाया है। इस बार सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेता दावा कर रहे हैं कि हम हर बार सत्ता बदलने के मिथक को तोड़ कर लगातार दूसरी बार प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। वहीं भाजपा के नेता कांग्रेस को हराने का दावा कर रहे हैं।

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में तीसरा मोर्चा कभी मजबूत नहीं रहा है। 1990 के विधानसभा चुनाव में जनता दल अवश्य कुछ प्रभावी रहा था। मगर वह भी तब जब उसने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। तीसरा मोर्चा के नाम पर राजस्थान में बसपा का अवश्य कुछ प्रभाव है। 2018 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने प्रदेश में 6 सीटों पर जीत हासिल कर 4 प्रतिशत मत पाये थे। उस समय हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी पहली बार चुनाव मैदान में उतरी थी। उसे 3 सीटों पर जीत मिली थी तथा 2.4 प्रतिशत मत मिले थे।

अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) ने भी राजस्थान की अधिकांश सीटों पर चुनाव लड़ा था। मगर उसके किसी भी प्रत्याशी को एक हजार वोट भी नहीं मिल पाने के कारण एक प्रतिशत से भी कम वोट हासिल कर पाई थी। माकपा ने 2 सीटों पर राष्ट्रीय लोक दल ने एक सीट पर व भारतीय ट्राईबल पार्टी ने 2 सीटों पर जीत हासिल की थी। मगर इन में से किसी भी पार्टी को 1 प्रतिशत से अधिक वोट नहीं मिल पाए थे।

आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस व भाजपा में मुकाबला होगा। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी भी इस बार चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने का दावा कर रही है। हाल ही में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त होने के बाद आप पार्टी के नेताओं का मनोबल बहुत बढा हुआ है। गुजरात विधानसभा चुनाव में 12.92 प्रतिशत वोट व पांच विधानसभा सीटें जीतकर आम आदमी पार्टी ने गुजरात में कांग्रेस व भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को काफी वोट मिलने के कारण ही गुजरात में कांग्रेस को पहली बार करारी हार झेलनी पड़ी। गुजरात विधानसभा चुनाव में आप पार्टी ने कांग्रेस के वोट कटवा पार्टी की भूमिका निभा कर भाजपा को बड़ा लाभ पहुंचाया था। आप पार्टी के द्वारा वोट काटने के कारण ही कांग्रेस 77 सीटों से सिमटकर 17 पर आ गई तथा पार्टी के वोट प्रतिशत भी घटकर 27.28 प्रतिशत रह गए।

राजस्थान में भी आप गुजरात का खेल दोहराना चाहती है। गुजरात विधानसभा के चुनाव में तो आप पर आरोप भी लगे थे कि वह भाजपा से मिलकर कांग्रेस को कमजोर कर रही है। गुजरात में अपने कदम जमाने के बाद अब आम आदमी पार्टी राजस्थान की ओर रुख करने जा रही है। आम आदमी पार्टी ने यह तय कर लिया है कि अब उनका अगला लक्ष्य राजस्थान होगा। इसके लिए अगले साल जनवरी महीने से ही तैयारियां शुरू हो जाएंगी। जनवरी में आम आदमी पार्टी की टीमें राजस्थान आ जाएंगी।

गुजरात में 5 सीटें जीतने और राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनने के बाद आम आदमी पार्टी के हौसले बुलंद हैं। ऐसे में अब आम आदमी पार्टी राजस्थान में अपने पैर जमाना चाहती है। गुजरात की तर्ज पर ही पूरे जोर-शोर के साथ आप पार्टी राजस्थान में भी चुनाव लड़ेगी। गुजरात की तर्ज पर राजस्थान में भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी राष्ट्रीय संगठन प्रभारी और आप के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक को ही दी गई है। वे ही राजस्थान में चुनाव की जिम्मेदारी संभालेंगे। आप के प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा पहले से ही राजस्थान में सक्रिय हैं।

आप पार्टी सूत्रों का कहना है कि, जनवरी से पार्टी राजस्थान में सक्रियता के साथ अपना काम शुरू कर देगी। प्रारंभिक तौर पर सर्वे हो चुके हैं। जनवरी से आगे के सर्वे भी शुरू हो जाएंगे। इसके अलावा सदस्यता भी तेजी से बढ़ाई जाएगी। राजस्थान में भी दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर ही आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ेगी। दिल्ली और पंजाब की ही तरह विकास के मॉडल को आगे रखेगी। राजस्थान में आम आदमी पार्टी चेहरों की तलाश में है। ऐसे में जनवरी से पार्टी की वर्किंग इस ओर भी शुरू होगी।

आप पार्टी के सूत्रों का कहना है कि, राजस्थान में कांग्रेस व भाजपा दोनों ही पार्टियों से जुड़े कुछ युवा नेताओं से वह संपर्क में है। साथ ही नए चेहरों को भी जोड़ने की तैयारी है। विनय मिश्रा के मुताबिक हमने राजस्थान मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के सर्वे करवाए हैं। इनमें राजस्थान के सर्वे बहुत अच्छे आए हैं। राजस्थान के लोग बदलाव चाहते हैं। एंटी इनकंबेंसी और दोनों पार्टियों में जो खींचतान है। उसको देखते हुए लग रहा है कि हम अच्छा कर सकते हैं। राजस्थान बदलाव चाह रहा है।

विनय मिश्रा के मुताबिक हमने सारी चुनौतियों का विश्लेषण किया है। राजस्थान बहुत बड़ा है। देश का 10वां हिस्सा है। हम ईमानदार पार्टी हैं। बाकी पार्टियां बड़ी पार्टियां है। उनके पास हेलिकॉप्टर और प्लेन वगैरह है। जबकि हमारे मुख्यमंत्रियों ने गुजरात में रोड से यात्रा करके प्रचार किया है। मगर राजस्थान में यह संभव नहीं है। प्रचार के लिए राजस्थान में हमें अलग रणनीति बनानी पड़ेगी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की राजस्थान में 18 दिनों तक चली भारत जोड़ो पदयात्रा से कांग्रेस का मनोबल बहुत बढ़ा हुआ है। राहुल गांधी की मौजूदगी के चलते प्रदेश में कांग्रेस नेताओं की आपसी गुटबाजी पर भी लगाम लगा था। वही सांगठनिक रुप से भी पार्टी मजबूत हुई है। कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा पार्टी को सांगठनिक रूप से और अधिक मजबूत करने का प्लान तैयार कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने भी अपनी पदयात्रा के अंतिम दिन अलवर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व सचिन पायलट के साथ बंद कमरे में दो घंटे तक मीटिंग करें उन्हें आपसी गिले-शिकवे दूर करने की हिदायत दी है। अगले कुछ दिनों में राजस्थान कांग्रेस में मंत्रिमंडल व संगठन में जो बदलाव होना है वह पूरा हो जाएगा। उसके बाद पार्टी पूरी चुनावी माहौल में सक्रिय हो जाएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का अगला बजट भी पूरी तरह चुनावी होगा। जिसमें प्रदेश के आम मतदाताओं को लुभाने के लिए कई घोषणाएं व वादे किए जाएंगे।

भाजपा भी प्रदेश में कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनाक्रोश यात्राएं निकाल रही है। हालांकि भाजपा में नेता पद की लड़ाई जोरों से है तथा पार्टी कई गुटों में बंटी हुई है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं को एक जाजम पर बैठाने के लिए बार-बार मशक्कत करनी पड़ रही है। भाजपा में चल रही आपसी गुटबाजी के कारण ही गहलोत चार साल से लगातार बिना किसी बाधा के शासन चला रहे हैं।

प्रदेश मे आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी व बसपा प्रदेश के मतदाताओं पर कितना प्रभाव डाल पाती है। इसका पता तो विधानसभा चुनाव के नतीजों से ही चल पाएगा। बहरहाल तो सभी राजनीतिक दल चुनाव जीतने की गोटिया बैठाने में जुटे हुए नजर आ रहे हैं।

प्रो. शरद नारायण खरे

नव वर्ष के दोहे

सूरज आया इक नया गाने मंगल गीत।
प्रियवर अब दिल में सजे केवल नूतन जीत।।

उसकी ही बस हार है जो माना है हार।
साहस वाले का सदा विजय करे श्रंगार।।

बीते के सँग छोड़ दो मायूसी-अवसाद।
नवल बनेगा अब धवल देगा मधुरिम याद।।

खट्टी-मीठी लोरियां देकर गया अतीत।
वह भी था अपना कभी था प्यारा सा मीत।।

जाते-जाते वर्ष यह करता जाता नेह।
अंतर इसका जनवरी भले दिसंबर देह।।

फिर से नव संकल्प हो फिर से उत्थान।
फिर से अब जय घोष हो हो फिर से नव गान।।

नया सूर्य ले आ गया नया शौर्यनव ताप।
लिये आप आवेग यदि नहीं बनोगे भाप।।

नहीं शिथिलता हो कभी नहीं चरण हों मंद।
गिरकर फिर आगे बढ़ो काम नहीं हो बंद।।

एक जनवरी आ रही सभी लिये उत्साह।
बात तभी बन पायगी बनो वक्त के शाह।।

दोस्त मित्र बंधू सखा रक्खो सँग नववर्ष।
मिले तुम्हें खुशियां शरद मिले सुखद नव हर्ष।।

प्रभारी मंत्री ने 6 करोड़ 76 लाख रुपए से निर्मित पुलिस थाना तथा चौकी भवनों का किया लोकार्पण

विधानसभा वार कार्यकर्ताओ से की चर्चा

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के भ्रमण पर आए प्रभारी मंत्री ओपीएस भदौरिया द्वारा ग्राम रानीसिंग में पुलिस विभाग के विभिन्न स्थानों पर बनाए गए 6 करोड 76 लाख रुपए लागत के पुलिस थाना तथा पुलिस चौकी भवनों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी, राजेंद्र सिंह लुनेरा, श्रीमती संगीता चारेल, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जमुना भिडे आदि उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री द्वारा जिन थाना भवनों का लोकार्पण किया गया उनमें यातायात थाना भवन रतलाम, अर्द्ध शहरी थाना भवन बड़ावदा, बरखेड़ा, सरवन तथा थाना भवन पिपलौदा शामिल है। इसके अलावा प्रभारी मंत्री ने पुलिस चौकी भवन कानडिया, खारवाकला, ढोढर, बेड़दा, मावता, माननखेड़ा पुलिस चौकी भवनों का लोकार्पण किया।

विधानसभा वार कार्यकर्ताओं से की चर्चा

जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी.एस. भदौरिया ने रतलाम जिले के प्रवास के दौरान रूद्र पैलेस में भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने विधानसभावार पार्टी के विभिन्न मुद्दों और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर संवाद किया। इसके बाद वे जिला कोर कमेटी की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान भाजपा जिला प्रभारी प्रदीप पाण्डेय, जिलाध्यक्ष राजेन्द्रसिंह लुनेरा, विधायक चेतन्य काश्यप, डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय, महापौर प्रहलाद पटेल, जिला महामंत्री प्रदीप उपाध्याय, निर्मल कटारिया, संगीता चारेल, पूर्व विधायक जितेन्द्र गेहलोत, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कानसिंह चौहान, नारायण मईड़ा सहित पार्टी पदाधिकारी वरिष्ठ नेतागण, मण्डल अध्यक्षगण एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला मीडिया प्रभारी अरूण त्रिपाठी, सहमीडिया प्रभारी निलेश बाफना ने बताया कि, प्रभारी मंत्री भदौरिया ने विधानसभावार चर्चा की शुरूआत आलोट विधानसभा क्षेत्र से की। इसके बाद उन्होंने रतलाम ग्रामीण, सैलाना, जावरा और अंत में रतलाम शहर विधानसभा के कार्यकर्ताओं से चर्चा की। चर्चा के दौरान श्री भदौरिया ने क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी ली। कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों और भाजपा का मत प्रतिशत बढ़ाने हेतु किए जाने वाले कार्यों पर विचार विमर्श किया। प्रभारी मंत्री भदौरिया ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य जिले की पाँचों विधानसभा सीटे जितने का है। इसके लिए जिले में वर्तमान में जहाँ भाजपा के विधायक है वहाँ अच्छे से कार्य करना है और जहाँ पार्टी के विधायक नहीं है वहाँ कमियां दूर कर पार्टी को मजबूत करना है।

अधिकारी का घूस लेते वीडियो वायरल, छात्रावास अधीक्षक ने सीएम से लगाई न्याय की गुहार

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)/तलेन।

मध्य प्रदेश में राजगढ़ से घूसखोरी का मामला सामने आया है। यहां एक छात्रावास के अधिकारी ने अपने ही विभाग के जिला अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए, सीएम शिवराज सिंह चौहान से न्याय की गुहार लगाई है। जिसका एक वीडियो वायरल भी हुआ है। मामला ब्यावरा में आदिमजाति कल्याण विभाग के बालक उत्कृष्ट छात्रावास का है। यहां के अधीक्षक ने जिला संयोजक पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है।

अधीक्षक ब्रजमोहन शर्मा के अनुसार, वह आदिमजाति कल्याण विभाग के उत्कृष्ट बालक छात्रा में अधीक्षक के पद पर पदस्थ हैं। यहां छात्रावास में रहने वाले छात्रों के रहने व खाने पीने के लिए पैसा आता है। जिसमें बालिकाओं के लिए 1500 और बालकों के लिए 1460 रुपए प्रति माह आते हैं। उनका आरोप है कि, उस राशि में से आदिमजाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक केके शर्मा 10 हजार रुपए का हिस्सा मांगते हैं।

ब्रजमोहन शर्मा ने बताया कि, अगर उन्हें पैसे नहीं दिए जाते हैं तो वह हमें नोटिस जारी कर देते हैं। उन्होंने बताया कि वह सिर्फ उनसे ही नहीं, बल्कि और भी लोगों से इसी तरह पैसे ऐंठते हैं। इसी वर्ष जुलाई 2022 में उन्होंने तलेन कन्या छात्रावास में बिना किसी बात के नोटिस जारी कर दिया था। जिसके बाद केके शर्मा के घर पर जाकर तलेन कन्या छात्रावास के अधीक्षक ने 10 हजार रुपये दिए थे।

नगर परिषद बोड़ा फिर आई सुर्खियों में

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

प्रधानमंत्री आवास में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि, हितग्राही के साथ धरने पर बैठे है। शासन की जन कल्याणकारी योजनाएं तो बहुत है पर उनका लाभ सही समय पर हितग्राही को नहीं मिल पाता है। कहीं न कहीं अधिकारी व कर्मचारी की लापरवाही के कारण या तो फंड लेप्स हो जाता है या लापरवाह कर्मचारियों के कारण हितग्राहियों को परेशानी उठानी पड़ती है। इसी को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता दीपक सोनी व जनप्रतिनिधि देवीसिंह यादव के द्वारा 12 सूत्रीय मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। साथ ही चेतावनी दी गई कि, अगर तय समय सीमा में हितग्राहियों को योजना का लाभ नहीं मिल पाता है तो भविष्य में विशाल आंदोलन किया जाएगा, जिसके लिए नगर परिषद बोड़ा उत्तर दाईं रहेगी।

वहीं दूसरी ओर नववागा सीएमओ रामलाल कुशवाह के द्वारा आश्वाशन दिया गया कि, 12 मांगो को लेकर ज्ञापन दिया है जिन को अमल कर जल्द ही कार्य पूर्ण किया जाएगा।

अब देखना यह है कि, क्या परिषद में बैठे जवाबदार अपना कार्य ईमानदारी से करते है या यूहीं हितग्राही परिषद के चक्कर लगाने पर मजबुर रहते है।

मोबाइल चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, शाजापुर।

शुजालपुर मण्डी थाना ने मोबाईल चोरी करने वाले 4 आरोपीयो को गिरफ्तार कर 6 ब्रांडेट कंपनी के मोबाईल बरामद करने में सफलता हासिल की है। उक्त कार्रवाई एसपी जगदीश डावर व एएसपी टीएस बघेल के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी शुजालपुर के निर्देशन में थाना प्रभारी शुजालपुर मंडी एवं उनकी टीम द्वारा की गई।

एएसपी टीएस बघेल ने बताया कि, जिले के शुजालपुर मंडी थाना में पंजीबद्ध अप. क्र. 616/2022 धारा 379 भादवि तथा अप. क्र. 617/2022 धारा 379 भादवि के दोनो अपराधो में फरियादी द्वारा अपने मोबाईल चोरी होने के संबंध मे पंजीबद्ध कराए थे। पुलिस ने मुखबिर सूचना के आधार पर संदिग्ध आरोपी नन्दू पिता विजय पारदी (20), सुका पिता प्रीतम पारदी (35) निवासीगण जमनी थाना सोहागपुर जिला होशंगाबाद, प्रेमकुमार पिता राजू दादा पारदी (20), खुटी पिता पवन पारदी (18) निवासीगण हीरापुर थाना सोहागपुर जिला होशंगाबाद से पुछताछ करने पर मोबाईल चोरी करना स्वीकार किया। आरोपीगण की निशादेही से पुलिस ने 6 मोबाईल जिसमे 3 ओप्पो कंपनी के स्क्रीन टच मोबाईल, एक रियलमी नारजो कंपनी का स्क्रीनटच मोबाईल, एक सेमसंग कंपनी का स्क्रीनटच मोबाईल, एक जीओ कंपनी का कीपेड मोबाईल जप्त किए। कुल कीमती करीबन 56 हजार रुपए के मोबाइल बरामद किए गए। उक्त कार्यवाही मे निरी. संतोष वाघेला थाना प्रभारी शुजालपुर मंडी, उनि मूलचंद सिहं धाकड, उनि जया सुनेरी, सउनि केशरसिंह नागर, प्रआर. 163 रामदयाल श्रीवास्तव, आर. 399 अर्जुन दांगी, आर. 475 पवन परमार, आर. 64 रसूल रावत, चालक आर. 306 महेश, म.आर. 235 किरण राजपूत की सराहनीय भूमिका रही।

पंचायत चुनाव में देखने को मिलेगा त्रिकोणीय मुकाबला

माही की गूंज, गरोठ।

मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर गरोठ जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरखेड़ा लोया में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत बरखेड़ा लोया में नाम वापसी के बाद सरपंच पद के लिए 3 उम्मीदवार मैदान में रहेंगे। ग्राम पंचायत चुनाव में यहां सरपंच पद के लिए त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति निर्मित हो गई।

सरपंच पद के लिए बहादुर सिंह, सत्यनारायण पाटीदार और विष्णु बंसीलाल पाटीदार ने अपनी उम्मीद्वारी जताई है। इसमें त्रिकोणीय मुकाबला होगा। इसी प्रकार क्षेत्र की ग्राम पंचायत में रिक्त रहे और रिक्त पंच पद के लिए 14 नामांकन पत्र निरस्त किए गए। सभी का कारण पंचायत और बिजली कंपनी के आदेश प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना या त्रुटि प्रस्तुत करना रहा है।

उल्लेखनीय है कि, गरोठ में लगी ग्राम पंचायत बरखेड़ा लोया में सरपंच पद के लिए पर 5 जनवरी को मतदान होना है। इसके लिए तीनों उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं। इसमें प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत बरखेड़ा लोया के सत्यनारायण पाटीदार और विष्णु पाटीदार के शामिल है। इसी ग्राम पंचायत में लगे ग्राम बावड़ी खेड़ा निवासी बहादुर सिंह ने भी अपना नामांकन पर्चा भरकर मैदान में डटे हैं।

नामांकन प्रमाण पत्र को लेकर के 14 पंच उम्मीदवारों के नामांकन निरस्त भी हुए हैं। इसी प्रकार क्षेत्र के ग्राम पंचायत असावती में पंच पद के लिए 12 उम्मीदवार के नामांकन पत्र पंचायत ने आदेश प्रमाण पत्र प्रस्तुत न करने के कारण निरस्त किए।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम के विभिन्न वार्डों में होने वाले पंच पदों के चुनाव के लिए हंस कुमार अनंत कुंवर, प्रेमाबाई, कृष्णाकुंवर, कुंवरलाल, विष्णु कुंवर, जनस कुंवर, दिनेश भेरूलाल, लक्ष्मीनारायण, प्रभुलाल लक्ष्मीनारायण, पवित्रा, राजू विष्णु बाई, दिनेश सहित सोनाकुंवर कैलाश सिंह ने नामांकन पत्र के साथ अदेय प्रणाम पत्र, जाति प्रमाण पत्र बिजली कंपनी बिल का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने या त्रुटि प्रस्तुत करने के चलते नामांकन निरस्त किया है।

हाथ जोड़ो अभियानः प्रभारी मुजीब कुरैशी ने ली कांग्रेसजनों की बैठक

माही की गूंज, शामगढ़।

एआईसीसी के निर्देशानुसार व पीसीसी के आह्वान पर राहुल गांधी द्वारा की जा रही भारत जोड़ो यात्रा के सन्देश को आमजन तक पहुंचाने के लिए आगामी 26 जनवरी 2023 से शुरू होने वाले हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत गांव-गांव तथा प्रत्येक बूथ व हर घर तक पदयात्रा के माध्यम से पहुंचने की तैयारियों को लेकर शामगढ़ में जायसवाल कृषि फार्म पर बैठक आयोजित की गई।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलेश जायसवाल, राकेश पाटीदार, पवन पांडेय की उपस्थिति में नीमच मंदसौर प्रभारी मुजीब कुरैशी ने प्रेसवार्ता के दौरान आयोजन की जानकारी साझा की हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा की। साथ ही मिडिया के सवालों पर जवाब दिए।

सुवासरा विधानसभा में दावेदार अपने हिसाब से बिना संगठन की अनुमति सहमति से पदयात्रा, बाईक रैली निकाल रहे है। इस सवाल पर मुजीब कुरैशी ने कहा, सबको बता दिया है अब कोई भी बिना संगठनात्मक अनुमति के कोई यात्रा वगैरह नही निकालेगा।

बैठक में बालुसिंह सोलंकी तरनोद, कर्मवीरसिंह भाटी, दुलेसिंह दसौरीया, रितिक पटेल, मोंटी खन्ना, सुरेंद्र यादव, हरिशंकर धाकड़, इकबाल खान, संग्रामसिंह चंद्रावत, पीरुलाल डबकरा, मनोज देसाई, गुमानसिंह बापच्या, कन्हैयालाल सिसौदिया हतुनिया, विक्रमसिंह सिसौदिया राणा असावती, अश्विन रत्नावत, आनंद हरौकी, झलक चौहान सहीत अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में कोरोना को लेकर की गई मॉकड्रिल

माही की गूंज, मंदसौर।

दुनिया भर में कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी की है। इसे लेकर अब प्रदेश सरकार भी अलर्ट नजर आ रही है। मंगलवार को मंदसौर जिला अस्पताल में कोरोना को लेकर मॉक ड्रिल की गई। मॉकड्रिल में जिला अस्पताल को अचानक से कोई पेशेंट के आने की सूचना दी गई, इसके बाद एंबुलेंस से कोविड पेशेंट को उतारकर कोरोना वार्ड में शिफ्ट किया गया।

गौरतलब है कि, कोरोना वायरस के मामलों को लेकर प्रदेश सरकार से लेकर स्वास्थ्य विभाग तक संजीदा नजर आ रहा है। जिला स्वास्थ्य विभाग ने सरकारी अस्पताल के पास कोरोना मरीजों के लिए आईसीयू वार्ड और कोविड जनरल वार्ड तैयार किए गए है।

प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. डीके पिप्पल ने बताया कि, सरकार के निर्देश पर कोविड वार्ड तैयार किया गया है। इसके साथ ही ऑक्सीजन प्लांट को भी टेस्ट कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में 319 बेड सेंट्रलाइज्ड ऑक्सीजन से जुड़े हैं। वही करीब 10 बेड का आईसीयू वार्ड भी तैयार है। अस्पताल परिसर में लगाए गए ऑक्सीजन प्लांट से 500 लीटर प्रति मिनट की क्षमता से ऑक्सीजन तैयार की जा रही है। इसके साथ ही 6 हजार लीटर लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन भी मौजूद है। जिला अस्पताल के प्रभारी सीएस ने बताया कि कोविड की किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हमारी तैयारी दुरस्त है।

अखिल भारतीय क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ उद्घाटन

माही की गूंज, मंदसौर।

बुधवार को ग्राम संधारा मे युवा क्रिकेट क्लब संधारा के तत्वाधान मे अखिल भारतीय क्रिकेट टेनिस बॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन हुआ। क्लब के सयोंजक मनोहर मालवी पूर्व कप्तान भगवान सिंह रावत, अनिल शर्मा कमल राठौर ने बताया कि, ग्राम संधारा मे सन 1985 से लगातार टूर्नामेंट में आयोजन किया जा रहा है। उसी क्रम मे 33वा क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारम्भ किया गया। जिसमे ग्राम पंचायत संधारा के सरपंच चाँदमल पाटीदार क्लब के अध्यक्ष व सयोंजक मनोहर मालवी, पूर्व कप्तान भगवान सिंह रावत, कमल राठौर, किशन राठौर, रासबिहारी द्विवेदी आदि सदस्य उपस्थित थे।

सयोंजक मनोहर मालवी ने बताया कि, इस टूर्नामेंट मे आसपास के क्षेत्र की 24 टीम हिस्सा लेगी। जिसका फाइनल 31 दिसम्बर को होगा। जिसमे विजेता टीम को 11 हजार रूपये व शील्ड प्रदान की जाएगी। दूसरा पुरस्कार 5 हजार रुपये व शील्ड प्रदान की जाएगी। जिससे ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के खिलाड़ियों का आपसी सम्पर्क बढ़ता है और ग्रामीण प्रतिभाओ को निखरने का मौका मिलता है।

जनपद सदस्यों ने मानदेय व विकास निधि बढ़ाने हेतु मुख्यमंत्री के नाम सौपा ज्ञापन

माही की गूंज, मंदसौर।

पिछले दिनों मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने भोपाल में पहले पंचायत के सरपंच ओर फिर निकायों के पार्षदों का प्रशिक्षण वर्ग भोपाल में बुलाया था। इस दौरान इनका मानदेय बढ़ाने के साथ ही इनके अधिकार भी बढ़ाए गए है। ऐसे में अब जनपद सदस्यों में भी अधिकार बढ़ाने से लेकर मानदेय की मांग उठी है। सोमवार को मंदसौर जनपद पंचायत के सभी वार्डो के जनपद सदस्य एकजुट होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां उन्होंने कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें मानदेय बढ़ाने से लेकर अन्य अधिकारी देने और अपने पंचायत क्षेत्र में विकास कार्य कराने के लिए अधिकारों को बढ़ाने की मांग की।

सीएम के नाम कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में जनपद सदस्यों ने बताया कि, प्रत्येक जनपद सदस्य का मोबाईल नंबर अपने वार्ड के हर ग्राम पंचायत भवन में अंकित हो तथा ग्राम पंचायत में सदस्यों के बैठने की उचित व्यवस्था की जाए। वह भी जनप्रतिनिधि है लेकिन आम तौर पर देखा गया कि पंचायतों में जनपद सदस्यों के बैठने तक की व्यवस्था नहीं होती है। इसके साथ ही वार्ड के सभी ग्राम पंचायतो के जो भी कार्य हो सभी कार्यों में जनपद सदस्य की अनुशंसा अनिवार्य हो। वर्तमान में बिना अनुशंसा के ही पंचायत अपने हिसाब से काम करवाती है ऐसे में जनपद सदस्यों को पूछा नहीं जाता है। इसके अलावा जनपद सदस्य का मानदेय वर्तमान में एक हजार 500 रुपए है ऐसे में बढ़ाने की मांग की है। इसके साथ ही जनपद सदस्य को जो विकास निधि एक वर्ष में मिलती है उसे बढ़ाकर पचास लाख रुपए सालाना की जाए। जिससे वह गांवों में जनआवश्यकता के अनुरुप काम को बढ़ा सकें। जनपद सदस्य के लेटर पैड पर खेत, सडक़, सीसी रोड, सामुदायिक भवन, विद्यालय भवन, आंगनवाडी भवन, तालाब, डेम आदि की स्वीकृति प्रदान की जाना भी तय किया जाए। प्रत्येक निर्माण कार्य के शिलान्यास बोर्ड पर वार्ड के जनपद सदस्य का नाम अंकित होना चाहिए। वह भी क्षेत्र की जनता का चुना हुआ जनप्रतिनिधि है। इसके साथ ही आवास योजना में भी जनपद सदस्य के खाते से स्वीकृति प्रदान की जाए। जनपद सदस्यों के मार्गदर्शन में 1 महीने के अंदर अपने जनपद बोर्ड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाए। इस तरह जनपद सदस्यों ने अपने क्षेत्र में काम के दौरान आने वाले समस्याओं को लेकर ज्ञापन देकर सीएम से अधिकार व सम्मान से लेकर मानदेय बढ़ाने की मांग की। इस दौरान जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा से लेकर जनपद सदस्य व प्रतिनिधि मौजूद थे।

भाजपा नेता पर छात्रा से अश्लील चैट का लगा आरोप

परिजनों ने कॉलेज में की पिटाई, प्राचार्य बोले समिति करेगी जांच

माही की गूंज, खरगोन।

जिले के एक भाजपा नेता पर छात्रा से अश्लील चैट करने का आरोप लगा है। नाराज छात्रा के परिजनों ने कॉलेज में भाजपा नेता की पिटाई भी कर दी है। मामला खरगोन के कसरावद स्थित शासकीय महाविद्यालय में सामने आया है। जिसमें जनभागीदारी अध्यक्ष व भाजपा नेता पीयूष जोशी पर कॉलेज छात्रा से व्हाट्सएप पर अश्लील चैट करने के आरोप लगे हैं। इस बात की शिकायत करने कॉलेज पहुंचे परिजनों ने कॉलेज परिसर में ही जनभागीदारी अध्यक्ष पीयूष जोशी की जमकर पिटाई कर दी। हालांकि, इस मामले में जनभागीदारी अध्यक्ष पीयूष जोशी ने आरोपों को गलत करार देते हुए कॉलेज की छात्राओं के लिए वाहन सुविधा से लेकर उच्च स्तरीय शिक्षा की व्यवस्था करने की बात कही है। इस पूरे मामले में प्रभारी प्राचार्य राकेश ठाकुर ने बताया कि, हमारे महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष और एक कॉलेज की छात्रा के परिजन किसी मैसेज से संबंधित बातचीत करने के लिए कॉलेज परिसर में आए थे। कॉलेज प्रबंधन का एक ग्रुप बना है। जिसमें जनभागीदारी अध्यक्ष भी मौजूद हैं। ग्रुप में कॉलेज संबंधी बात होती हैं। उसी ग्रुप में किसी मैसेज को लेकर छात्रा के परिजन यहां बात करने के लिए आए थे। यहां दोनों के बीच कोई कहासुनी हो गई थी। हमने एक समिति बना दी है जो मामले की जांच कर रही है। इस मामले की सूचना हमने पुलिस को भी दी है।

कांग्रेस नेता पर एफआईआर की मांग, भगवान राम से की थी राहुल गांधी की तुलना

माही की गूंज, खण्डवा।

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से करते हुए कहा था कि, भगवान राम हर जगह नही जा सकते जबकि उनकी खड़ाउ बहुत दूर तक जाती है। उनकी खड़ाउ लेकर हम (कांग्रेसी) चल रहे है। खड़ाउ उत्तर प्रदेश आ चुकी है, तो राम जी भी आ ही जाएंगे। किसी बात से नाराज होते हुए मध्य प्रदेश के खंडवा में एक वकील ने सलमान खुर्शीद के खिलाफ मामला दर्ज करने का आवेदन दिया है। वकील का कहना है कि, सलमान खुर्शीद ने भगवान राम से राहुल गांधी की तुलना कर करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है इसलिए उन पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए। बता दें कि इससे पूर्व भी शाजापुर वे काला पीपल से विधायक कुणाल चौधरी भी राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से कर चुके हैं।

खंडवा में वकालत करने वाले वकील देवेंद्र यादव ने खंडवा पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है यादव ने अपने आवेदन में लिखा है कि, 26 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद सर्किट हाउस पहुचे सलमान खुर्शीद ने कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी की तुलना जन जन आराध्य भगवान श्रीराम से करते हुए राहुल गांधी को अलौकिक और तपस्वी बताते हुए कांग्रेसियों की तुलना भरत से करते हुए यह कहा कि, भगवान राम हर जगह नही जा सकते जबकि उनकी खड़ाउ बहुत दूर तक जाती है। उनकी खड़ाउ लेकर हम (कांग्रेसी) चल रहे है। खड़ाउ उत्तर प्रदेश आ चुकी है, तो राम जी भी आ ही जाएंगे।

शिकायतकर्ता देवेंद्र यादव ने कहा कि, सलमान खुर्शीद ने राहुल गांधी को योगी, तपस्वी और सुपर ह्युमेन की संज्ञा देते हुए उनकी तुलना भगवान श्री राम से कर हम जैसे लाखो राम भक्तों की धार्मिक भावनाओं को आहत करते हुए विद्वेष फैलाने का कृत्य जानबूझकर किया है। जबकि इन्ही सलमान खुर्शीद द्वारा कुछ समय पूर्व अपनी पुस्तक में आईएसआईएस व बोको हरम जैसे आतंकवादी संगठन की तुलना हिन्दुत्व से की थी और आज वे ही मर्यादा पुरुषोत्तम राम जो कि करोड़ो भक्तो के इष्ट आराध्य है, से की है, जबकि भगवान श्री राम का जन्म आज से 8,80,100 वर्ष पूर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र और कर्क लग्न में हुआ था, ऐसे दिव्य अलौकिक और जन जन के आराध्य ईश्वर स्वरूप मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम से मात्र 52 वर्ष पूर्व जन्मे किसी सामान्य व्यक्ति से तुलना की जाना बेहद आपत्तिजनक और निंदनीय कृत्य होने के साथ-साथ धार्मिक और वर्ग विशेष की आध्यात्मिक भावनाओं को जानबूझकर ठेस पहुचाने और अपमानित करने का दुस्साहसिक आपराधिक कृत्य हैं। इससे न सिर्फ हमारी भावनाए आहत हुई है बल्कि करोड़ो हिन्दु धर्मावलंबियो की भावनाओं को भी ठेस पहुंची है।

एसडीएम ने साहूकारों को कराया पेसा एक्ट के प्रावधानों से अवगत

पेसा एक्ट के तहत साहूकारों को देना होगी अपने हाथ गिरवी रखे सामान की जानकारी

माही की गूंज, बड़वानी।

अनुसूचित क्षेत्रों में 15 नवंबर से पेसा एक्ट लागू हो गया है। उक्त एक्ट के अंतर्गत अनुसूचित क्षेत्रों में किसी स्थान पर साहूकारी का कारोबार मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति साहूकार विनियमन 1972 के प्रावधान के अनुसार लायसेंसधारी साहूकार ही ग्रामीणों को गेहने, जेवरात गिरवी रखकर या ब्याज पर नगद राशि उधार दे सकता है। अब कोई भी साहूकार मनमानी करके ग्रामीणों के साथ धोखाधड़ी नही कर सकेगा। हर उधार दी गई रकम का ब्यौरा साहूकार को अपने पास रखना होगा। साथ ही जो गिरवी रकम ग्राहक को लौटा दी है उसकी जानकारी भी देना होगी।

एसडीएम राजपुर वीरसिंह चौहान ने एसडीएम कार्यालय बड़वानी में आयोजित बैठक के दौरान उक्त बाते लायसेंसी साहूकारों को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान एसडीएम ने बताया कि, अब लायसेंसधारी साहूकार को अपने लायसेंस की एक प्रति ग्राम पंचायत में जमा करानी होगी। ग्राम पंचायत के द्वारा ग्रामसभा को बताया जायेगा कि, उक्त लायसेंसधारी साहूकार से गेहने जेवरात गिरवी रखकर या ब्याज पर नगद राशि उधार ली जा सकती है।

लायसेंसधारी साहूकारों का यह दायित्व होगा कि, वह हर त्रैमास में अपने यहां गिरवी रखे जेवरात एवं ब्याज दर पर उधार दिये गये ऋण की राशि तथा ग्रामीणों द्वारा चुकाये गये ऋण का ग्रामवार ब्यौरा एसडीएम कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे। साहूकारों से प्राप्त त्रैमासिक जानकारी को एसडीएम ग्राम पंचायत के माध्यम से ग्रामसभा को देगी। ग्रामसभा साहूकार के विरूद्ध किसी भी व्यक्ति की शिकायत पर विचार करेगी तथा उपयुक्त पाये जाने पर एसडीएम को जांच एवं कार्यवाही हेतु अनुशंसित करेगी। एसडीएम शिकायत पर यथोचित जांच एवं कार्यवाही पश्चात् रिपोर्ट 45 दिवस के भीतर ग्रामसभा को सूचित करेगी। पेसा एक्ट के अंतर्गत जानकारी नही देने पर साहूकार का लायसेंस निरस्त कर वैधानिक कार्यवाही भी की जायेगी। बैठक में एसडीएम राजपुर वीरसिंह चौहान सहित लायसेंसधारी साहूकार उपस्थित थे।

शहर में रेत के अवैध भंडारण पर हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई

9 स्थानों से गिट्टी, रेत और एम सेंड का पाया गया भंडारण

माही की गूंज, खरगोन।

एसडीएम द्वारा शहर के भीतर विभिन्न स्थानों पर गिट्टी, रेत और एम सेंड के अवैध स्टॉक के ठिकानों पर कार्रवाई की गई। इस संबंध में खनिज अधिकारी सावन चौहान ने बताया कि, एसडीएम सिंह के निर्देशन में शहर के 5 स्थानों पर कुल 9 स्टॉक केंद्र पर कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि, 5 स्थानों पर 2-2 अलग-अलग स्टॉक करते हुए पाया गया है। इन स्थानों से अवैध रूप से किए गए स्टॉक को पीडब्ल्यूडी सर्किट हॉउस परिसर में एकत्रित किया जा रहा है। सुबह से अब तक करीब 15 डंपर रेत, 8 डंपर एम सेंड और 3 डंपर गिट्टी भंडारण केंद्र से उठाई गई है।

इन स्थानों पर पाया गया अवैध भंडारण

खनिज अधिकारी ने कहा कि, शहर के मांगरुल रोड पर दो स्थानों पर स्टॉक किया गया था। इसके अलावा आरती टॉकीज के पास, ज्योति नगर के सामने और बिस्टान नाके के पास 2-2 स्थानों पर तथा नहर के पास एक स्थान स्टॉक पाया गया था। अब आगे राजसात करने की कार्यवाही के लिए कलेक्टर कुमार को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।

स्टॉक की कार्यवाही के बीच पकड़ी 3 हाइवा

खनिज अधिकारी चौहान ने बताया कि, जिस समय अवैध भंडारण पर कार्यवाही की जा रही थी। उसी समय सीतावल्लभ मार्केट से दो रेत से भरे बड़े हाइवा और एक स्टॉक के पास से हाइवा पकड़ा गया। एसडीएम श्री सिंह ने 3 हाइवा जब्त कर आगे की कार्यवाही खनिज कार्यालय को सौंपी गई। जबकि अवैध भंडारण से खनिज संग्रहण करने की कार्यवाही चल रही है।

घोडारोज से किसान परेशान, खेतों सहित रोड पर घोडारोज का आतंक

किसान कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को दिया ज्ञापन, कांग्रेस नेता ने कहा, किसान विरोधी सरकार को हम उखाड़कर फेकेंगे

माही की गूंज, रतलाम।

नीलगाय (घोड़ारोज) का झुंड खेत में फैसले रोंद रहा है, किसान परेशान कड़ी मेहनत के बाद भी फसल नही बचा पा रहे है। कढड़ाके की ठंड में किसान खेतो पर गुजार रहे है। दिन-रात इसके बाद भी नीलगाय खेतो में चने व मटर, सरसों, मैथी, अलसी, गैहू की फसल के साथ अफिम की फसल भी खराब कर रही हैं। फसलों पर धावा बोलकर 4 से 5 इंच की फसलों को बचाने के लिए किसान दिन-रात रखवाली कर रहे है। वही ग्रामीण क्षेत्र मे नीलगायो का आतंक बढ़ता जा रहा है। सुबह ओर शाम नीलगायों का झुंड किसानो के खेतो मे दौड़ लगाते रहते है। इससे फसले खराब हो रही है कालूखेड़ा, सुखेड़ा, रानीगांव, रियावन, रणायरा, बछोड़िया सहित झातला, भाकरखेड़ी, मावता, जालीनेर, चिपिया कई गावों मे नीलगाय घोडारोज का सबसे ज्यादा आंतक है।

किसान अम्बाराम मावर पटेल, शंकरलाल पाटीदार, होकम सिह, बद्रीलाल कुमावत, शिवनारायण कुमावत ने बताया कि, हमारे खेतो में झुड के झुड आते है और आकर बैठे जाते है, जिससे फसलों को नुकसान होता है।

पिपलोदा जनपत सदस्य प्रतिनिधि बालाराम पटेल ने बताया कि, क्षेत्र में किसान बहुत परेशान है, हर दिन किसानों के कॉल आते है और बताते है कि निलगायो का आतंक है और देर रात के समय बाइक सवारों के टक्कर से कई बाइक चालक घायल हो जाते है। नीलगाय खेतो मे दौड़ लगाती है तो फसले को पूरी तरह रोंद देती है इससे नुकसान हो रहा है। प्रशासन इनकी रोकथाम के लिए कोई स्थानीय हल नहीं निकाल पा रहा है। हाल में ही बछोड़िया-रानीगांव, बछोड़िया-रियावन, रियावन मावता मार्ग पर नीलगायो के टक्कर से दोपहिया वाहन के टकराने से कई राहगीर हादसे के सिकार हो जाते है, ओर इन नीलगायों के आतंक से टू विलर हो या फोरविलर के टकराने का आदेशा बना रहता है।

बछोड़िया-ठीकरिया पहाड़ी पर घोडारोज का आतंक

नीलगाय पहाड़ी क्षेत्र में रात-दिन वही रहते है और राहगीरों को निकलने में बड़े-बड़े हादसे हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन के किसानों की समस्या को देखते हुए उचित कार्रवाई की मांग को लेकर कितने ही ज्ञापन दिए गए, पर शासन-प्रशासन ने इस ओर कोई कदम नहीं उठाया। किसानों का कहना है कि, सरकार ने उद्यानिकी फसलों मे वाल बाउंड्री में अनुदान सरकार द्वारा स्वीकृत की गई है ओर उज्जैन संभाग के रतलाम जिले में लागु नहीं हुई है। किसानो द्वारा जल्द से जल्द रतलाम जिले मे यह अनुदान लागू करने की मांग की है। इस अनुदान से उद्यानिकी फसल तो नीलगाय (घोड़ारोज) से बच सके। इस मामले को लेकर कांग्रेस के डीपी धाकड़ ने कई बार शासन को आवेदन ओर ज्ञापन देकर इस समस्याओ से अवगत कराया गया पर इस समस्या का सरकार द्वारा अभी तक कोई हल नही निकाला। इस घोडारोज कि वनस्पति बहुत तेजी से फेल रही है जिसका खामियाजा किसान भुगत रहे है।

आलोट विधायक पर हुई कार्यवाही वापस लेने को लेकर दिया ज्ञापन

पिपलोदा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दिलीपराव मंडलोई के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने किसानों की अनेकों समस्याओं को लेकर तहसीलदार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। जिसमें कांग्रेस पार्टी के समस्त पदाधिकारी चुने हुए जनप्रतिनिधि और सभी विंग के पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन नरेंद्र सिंह चिकलाना ने किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कांग्रेस का स्थापना दिवस मनाया। साथ किसानों की अनेकों समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी। जिसमें मुख्य रुप से थोड़ा रोज जंगली सूअर वही स्थानीय अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण मुहिम के नाम पर गरीबों को लाखों रुपए के नोटिस दिए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी द्वारा वसूली की जा रही है ओर आलोट विधायक मनोज चावला पर हुई कार्यवाही वापस लेने जैसे अनेकों बिंदुओं पर प्रकाश डाला है। इस मौके पर दिलीपराव मंडल के अलावा मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व जिला पंचायत सदस्य नंदराम शाह, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य राजेश भरावा, किसान नेता जिला पंचायत सदस्य एवं पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष डीपी धाकड़, पूर्व जनपद अध्यक्ष जावरा हिम्मत श्रीमान, मनोहर शर्मा, राधेश्याम कुमावत, फिरदोस भाई, कन्हैया लाल महिडा जनपद सदस्य, जनपद उपाध्यक्ष सुरेश जाट, जगदीश कुमावत, घनश्याम रणायरा सरपंच, जनपत सदस्य प्रतिनिधि दिनेश कुमावत मावता , महेश नांदेचा, शंकर लाल पाटीदार कमलाखेड़ा, छोगालाल , आशीष शर्मा , दिलीप सेठ, निखिलेश आम्बा, संजय पाटीदार आंबा, सत्यनारायण गामी, बद्री लाल पटेल, माधु धनगर, पिपलोदा नगर अध्यक्ष रईस मंसूरी, महेंद्र सिंह और चांद खान धतूरिया, रामलाल कमलाखेड़ा, कृष्णा धाकड़ 84 बड़ायला, लक्ष कुमार धाकड़ आदि किसान ज्ञापन देने पहुचे।

पूरे मामले में भरत बैरागी राज्य मंत्री भोपाल का कहना है कि, जावरा विधानसभा में सहित रतलाम जिले में घोडारोज का आतंक है ओर किसानों से मिलने पर हमे इसकी जानकारी मिली है। हम किसान परेशान को लेकर मुख्यमंत्री से बात करेंगे और नीलगाय से किसी प्रकार किसानों को नुकसान का मुआवजा या इसका कोई उपाय निकालने का प्रयास करेंगे। वही डीपी धाकड़ किसान कांग्रेस नेता ने बताया, किसान का खेतो मे घोडारोज का आतंक है राहगीरों की जान ले रहे है। अगर सरकार इसका खात्मा नही करेगी तो आम जनता का जीना दुस्वार हो गया है। इनके खात्मे के लिए खेत से राजधानी तक संघर्ष करेंगे।

बेशकीमती शासकीय भूमि से प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

एन्टी माफिया अभियान के तहत करीब 60 करोड़ की किमती भूमि कराई खाली

अतिक्रमणकर्ता पर वर्ष 2017 में कई धाराओं में है प्रकरण दर्ज

माही की गूंज, खरगोन।

एंटी माफिया अभियान के तहत प्रदेश में खरगोन शहर के भीतर बेशकीमती शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में वर्षो से शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण की अनुमानित बाजार मूल्य करीब 60 करोड़ रुपये हैं। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशन में बुधवार को तीन विभागों की संयुक्त कार्यवाही में कुल 11 एकड़ 76 डेसीमल भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है।

कलेक्टर ने कहा कि, यह भूमि शासकीय रिकार्ड में प्रबंधक कलेक्टर के नाम से दर्ज है। इस पर बिना किसी अधिकार के कब्जा किया हुआ था। अतिक्रमण हटाकर शासकीय स्वामित्व में लिया जाएगा।

एसडीएम ओमनारायण सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि, खसरा नम्बर 102 व 104 पटवारी हल्का 5 की कुल 11 एकड़ 76 डेसीमल भूमि के स्वामी प्रबंधक कलेक्टर है। मांगरूल रोड़ स्थित भूमि पर माँ बाघेश्वरी कृषि मार्फ बनाकर योगेश ठक्कर द्वारा अतिक्रमण किया गया था।

अतिक्रमणकर्ता पर 5 वर्ष पहले हुई है एफआईआर दर्ज

कार्यवाही के दौरान एसडीओपी राकेश गुप्ता ने बताया कि, अतिक्रमण कर्ता पर वर्ष 2017 में मेनगांव थाने में कई धाराओं में प्रकरण दर्ज है। उन पर भादस 1860 में और अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम 1989, लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज है। इन मामलों को लेकर एसपी श्री धर्मवीर सिंह ने कहा कि अतिक्रमणकर्ता पर 2017 में एट्रोसिटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज है। अब तक उस मामले में क्या कार्यवाही हुई है। इसकी जानकारी लेकर आगे वैधानिक कार्यवाही करने की जरूरत होगी तो की जाएगी।

स्थल पर चला बुलडोजर

अतिक्रमण स्थल पर कृषि फॉर्म बनाकर योगेश ठक्कर द्वारा भूमि का उपयोग करना पाया गया। फार्म पर अतिक्रमण कर 2.0 बाय 40 फीट द्वोत्र में रखे गए सूखे चारे, 30 बाय 40 फीट में बने भवन और 25 बाय 60 फीट में स्थापित टीन शेड का तोड़ा गया। इसके अलावा अन्य क्षेत्र में कृषि भूमि करते पाया गया। मौके पर कलेक्टर कुमार एसडीएम सिंह और नगर पालिका सीएमओ प्रियंका पटेल को पूरी भूमि खाली करा कर भूमि को शासकीय अधिपत्य में लेने के निर्देश दिए हैं।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय पेटलावद जिला-झाबुआ (म.प्र.)

E & Mail Add- hegmcpetjha@mp.gov.in Mo. No.- 9755855905

क्रमांक 3205/जेबीसी/2022 पेटलावद. दिनांक 28/12/2022

//विज्ञापन//

शासकीय महावीर महाविद्यालय पेटलावद, जिला झाबुआ म.प्र. में कार्य करने हेतु अस्थाई रूप से निर्धारित दर पर निम्नानुसार पदों के लिए सत्र 2022-23 हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है।

क्रमांक	पद	पद संख्या	शैक्षणिक योग्यता	मानदेय
1	कम्प्यूटर ऑपरेटर	3	स्नातक उर्त्तीण	6000 प्रति माह
2	कार्यालय/लेखा सहायक	1	स्नातक उर्त्तीण	कलेक्टर दर
3	चौकीदार/माली	1	8 वीं उर्त्तीण	5000 रू. प्रति माह।
4	चतुर्थ श्रेणी	1	8 वीं उर्त्तीण	3000 रू. प्रति माह

नियम एवं शर्ते :-

1. आवेदन पत्र प्राचार्य एवं सचिव जनभागीदारी समिति शासकीय महावीर महाविद्यालय पेटलावद, जिला झाबुआ (म.प्र.) लिफाफे के ऊपर पद का नाम/पूर्ण पता/मोबाईल नम्बर/टेलीफोन नम्बर अवश्य लिखें।
2. क्रमांक 2 के पद हेतु योग्यता व अनुभव के आधार पर की जावेगी (शासकीय सेवा से उपरोक्त पद से निवृत्त को प्राथमिकता) क्रमांक 3 एवं 4 के पदों की नियुक्ति योग्यता एवं अनुभव के आधार पर की जावेगी।
3. कम्प्यूटर ऑपरेटर को शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डीसीए/पीजीडीसीए का डिप्लोमा अनिवार्य है, साथ ही हिन्दी व अंग्रेजी टाईपिंग प्रमाण पत्र अनिवार्य है।
4. कम्प्यूटर ऑपरेटर की दक्षता आयोजित होगी जिसके अन्तर्गत टाईपिंग स्पीड, कम्प्यूटर संचालन जिसके अंतर्गत ईमेल, प्रोग्रामिंग वेबसाईड इंटरनेट ऑपरेटिंग आदि का टेस्ट लिया जावेगा। जिसमें शैक्षणिक अंक 50 प्रतिशत तथा परीक्षा अंक 50 प्रतिशत के आधार पर मेरिट लिया जावेगी।
5. आवेदनकर्ता को निश्चित मानदेय में निर्धारित व्यवस्था के अनुसार प्रतिदिन कार्य करने की बाध्यता रहेगी।
6. उपरोक्त सभी पद पूर्णत अस्थाई होकर 89 दिवस के लिये आमंत्रित होगे एवं मध्यप्रदेश शासकीय सेवा का भाग न होकर नियम पारिश्रमिक मानदेय के आधार पर है। जो बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त किया जा सकेगें। कार्य संतोषजनक नहीं होने पर आमंत्रित पद से कार्यमुक्त कर दिया जावेगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं आवेदन की रहेगी।
7. आवेदन पत्र पर आवश्यक विवरण दर्शाते हुये सम्पूर्ण आवश्यक प्रमाण-पत्रों की सत्यापित प्रतिलिपि संलग्न करते हुए प्रेषित करें तथा आवेदन फोटो अवश्य चस्पा करे।
8. संबंधित पद में शासकीय महाविद्यालयों में कार्य कर चुके आवेदकों को अनुभवन के प्रत्येक 01 वर्ष के चार अंक अधिकतक 16 अंक रहेगें।
9. आवेदन पत्र विज्ञापन जारी होने के 10 दिन के भीतर तक महाविद्यालय को कार्यालयीन समय तक प्राप्त हो जाना चाहिए। अपूर्ण एवं समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा। प्राचार्य/सचिव एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष का अंतिम एवं मान्य होगा।
10. अन्य नियम एवं शर्ते महाविद्यालय कार्यालय समय में एवं वेबसाईडीमहउबचमजरीं/उचण्हवअण्पद प्राप्त करें।

प्राचार्य/सचिव
जनभागीदारी समिति
शास. महावीर महाविद्यालय पेटलावद
जिला झाबुआ (म.प्र.)

उमा के बदले सुर कहा, मैं नहीं कहूंगी भाजपा को वोट करो

भोपाल।

मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा की फायर ब्रांड नेता उमा भारती के एक बयान से पार्टी में खलबली मच गई है। इस बयान से विपक्ष को भाजपा पर हमला करने का एक मौका मिल गया है। उमा भारती ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, मैं लोधी समाज को राजनीतिक बंधन से मुक्त करती हूं। मैं चुनाव में आऊंगी, मंच से संबोधित करूंगी, लेकिन यह नहीं कहूंगी की लोधियों तुम भाजपा को वोट करो। मैं तो सभी से कहती हूं कि आप भाजपा को वोट करें, क्योंकि मैं तो पार्टी की निष्ठावान सिपाही हूं। उमा भारती के इस बयान का वीडियो वायरल हो रहा है।

कार्यक्रम में आई थीं उमा

उमा भारती राजधानी भोपाल में लोधी समाज के युवक युवती परिचय सम्मेलन कार्यक्रम में सम्मिलित होने पहुंची थीं। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, मैं चुनाव में आऊंगी, मंच से संबोधित करूंगी, लेकिन यह नहीं कहूंगी की आप भाजपा को वोट करें। मैं सभी से कहती हूं कि आप भाजपा को वोट करें, क्योंकि मैं तो पार्टी की निष्ठावान सिपाही हूं। लेकिन मैं आपसे थोड़ी अपेक्षा करूंगी कि आप भी पार्टी के निष्ठावान सिपाही होंगे। आपको अपने आस-पास के हित देखने हैं। यदि आप पार्टी के कार्यकर्ता नहीं हैं, यदि आप पार्टी के वोटर नहीं हैं तो जाहिर है आपको सारी चीजें देखकर ही अपने बारे में फैसला करना है।

नाराज हैं उमा

उमा भारती ने आगे कहा कि, यह मानकर चलिए कि प्यार के बंधन में तो हम सभी बंधे हुए हैं, लेकिन राजनीतिक बंधन से तो मेरी तरफ से आप पूरी तरह से आजाद हैं। दरअसल, उमा भारती अपने कट्टर समर्थक प्रीतम लोधी की अनदेखी से खफा हैं। प्रीतम लोधी ने विप्रजनों के बारे में अपशब्द कहे थे, जिसके बाद पार्टी ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया था। प्रीतम लोधी भी क्षेत्र में सक्रिय हैं। माना जा रहा है कि प्रीतम लोधी की अनदेखी से उमा भारती नाराज हैं।

लगातार यात्राएं कर रही उमा भारती

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती काफी समय से मध्य प्रदेश में शराब बंदी की मांग कर रही हैं। इसके लिए वह कई बार धरना प्रदर्शन कर चुकी है। यही नहीं वह शराब की दुकान पर पत्थर भी चला चुकी हैं। मालूम हो कि मध्य प्रदेश सरकार ने 2 अक्टूबर को नशा मुक्ति अभियान को लेकर एक बड़ा कार्यक्रम शुरू किया था, जिसमें सीएम शिवराज के साथ उमा भारती भी शामिल थीं। उमा भारती तब से लगातार यात्राएं कर रही हैं। उन्होंने एक ट्वीट में कहा था कि, भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं का निजी तौर पर तो उनके नशा मुक्ति अभियान को समर्थन है, लेकिन सरकार और पार्टी ऐसा आयोजन नहीं कर रही, जिससे समाज को जागरूक किया जा सके।

प्रज्ञा ठाकुर के समर्थन में म.प्र. की मंत्री ने दी देवी-देवताओं वाली दलील

भोपाल।

मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार में मंत्री ऊषा ठाकुर ने भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर के विवादित बयानों का समर्थन किया है। घर में हथियार रखने की सलाह देकर चौतरफा घिरीं प्रज्ञा के समर्थन में ऊषा ठाकुर ने दलील दी है कि देवी-देवता भी हथियार रखते थे। उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा के लिए हथियार रखने में कोई बुराई नहीं है।

ऊषा ठाकुर से जब पत्रकारों ने प्रज्ञा सिंह ठाकुर के बयान पर चल रहे विवाद को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा, इसको आत्मरक्षा की दृष्टि से लेना चाहिए और इसमें क्या गलत है? भारतीय सनातन परंपरा में हमारा कोई देवी देवता ऐसा नहीं जिसके पास हथियार ना हो। अनादि काल से हमारे वेद पुराण बताते हैं कि आत्मरक्षा के लिए हथियार रखना अच्छी बात है।

गौरतलब है कि, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने कर्नाटक में एक कार्यक्रम के दौरान हिंदुओं को हथियार रखने की सलाह दी जिस पर काफी हंगामा हो रहा है। प्रज्ञा ने कहा, संन्यासी कहते हैं कि ईश्वर द्वारा बनाई गई इस दुनिया में सभी अत्याचारियों और पापियों का अंत करो, अन्यथा प्रेम की सच्ची परिभाषा यहां नहीं बचेगी। तो लव जिहाद में शामिल लोगों को उसी तरह जवाब दो। अपनी बेटियों की रक्षा करो, उन्हें सही मूल्य सिखाओ। उन्होंने शिवमोगा के हर्षा समेत हिंदू कार्यकर्ताओं की हत्या की घटनाओं की ओर इशारा करते हुए लोगों से कहा था कि वे आत्मरक्षा के लिए ''अपने घरों में धारदार चाकू'' रखें।

कोर्ट जाएगी कांग्रेस...!

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने भारतीय जनता पार्टी की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर के एक हालिया बयान को 'स्पष्ट रूप से हेट स्पीच (नफरती भाषण) का मामला' करार देते हुए कहा कि, वह प्रज्ञा के खिलाफ जल्द ही सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। प्रज्ञा ठाकुर ने जो कहा है, वो स्पष्ट रूप से हेट स्पीच का मामला है। मैं इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा।

इससे पहले, रमेश ने साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की टिप्पणी को लेकर ट्वीट किया, हेट स्पीच का स्पष्ट का मामला है। उनके खिलाफ मुकदमा चलना चाहिए। इससे पहले कांग्रेस नेता तहसीन पूनावाला ने शिवमोगा में प्रज्ञा सिंह ठाकुर के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है।

जिला स्तरीय स्वयंसेवक संघ का शक्ति संचय शीत शिविर का समापन

माही की गूंज, आम्बुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समीप ग्राम बोरझाड़ में तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के आयोजन संपन्न किए गए। लगभग 9 दर्जन स्वयंसेवकों ने यहां रहकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का समापन अवसर पर संघ के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गूंज संवाददाता को मिली जानकारी के अनुसार 23 दिसंबर से 25 दिसंबर तक समीप ग्राम बोरझाड़ स्थित शैलेंद्र बिहार के मैदान में 108 स्वयंसेवकों ने 3 दिनों तक वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन में शारीरिक तथा बौद्धिक शक्ति संचय करने हेतु कड़ी मेहनत की शिविर में सुबह से रात तक विभिन्न प्रकार के आयोजन किए गए। शिविर में देश के सैनिकों जैसे कड़े प्रशिक्षण दिए गए अनुशासन में रहकर सभी ने शीत शिविर का लाभ प्राप्त किया।

शिविर के शुभारंभ में प्रमुख वक्ता मालवा प्रांत सह शारीरिक शिक्षण प्रमुख विक्रम रघुवंशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि, हम सभी खुश किस्मत है जो कि हमारे सामने श्री राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। हम बहुत जल्दी भगवान श्री राम को भव्य मंदिर में विराजित होते देखेंगे। संघ की स्थापना 1925 में की गई थी हम 2025 में संघ का शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं।

शिविर के समापन अवसर पर अंकित गजकेश्वर (धार) ने अपने उद्बोधन में बताया कि, 15 जनवरी से मंडल विस्तार योजना बनाई गई है जिसमें 67 मंडलों में 15 दिनों तक स्वयंसेवक विस्तारक के रूप में कार्य करेंगे तथा अपना स्वयं ग्रामीण क्षेत्र में देंगे। इस शीतकालीन शिविर में जिला कार्यवाहक मनीष राठौड़, सह कार्यवाह प्रवीण चौहान, प्रताप सिंह चौहान उपस्थित रहे। शिविर की व्यवस्था देखने हेतु आम्बुआ-बोरझाड़ से भरत माहेश्वरी, लोकेंद्र सिंह राठौर, अंशुल गुप्ता, सुनील चौहान, कालू राठौड़, गोविंदा माहेश्वरी, वैभव जाधव, सुनील माहेश्वरी, गौरव राठौड़, हरीश चौहान, गोलू राठौड़ आदि का विशेष सहयोग रहा।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री के जन्म जयंती पर मरीजों को वितरित किए फल

माही की गूंज, आम्बुआ।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री तथा सर्वमान्य नेता भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य केंद्र जाकर मरीजों को फल, बिस्किट आदि का वितरण किया व सभी ने मन की बात भी सुनी।

गूंज संवाददाता को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता भरत कुमार माहेश्वरी ने बताया कि, संपूर्ण भारत ही नहीं अपितु विश्व पटल पर सर्वमान्य नेता देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न कवि हृदय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के उपलक्ष पर उन्हें पार्टी की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। जिसके बाद आम्बुआ स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर मरीजों आदि को फल एवं बिस्किट वितरण किए गए। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष निलेश राठौड़, युवा मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष यश राठौड़, देवेंद्र सिंह गहलोत, सुनील माहेश्वरी, विकास राठौड़ तथा हरीश चौहान उपस्थित रहे। उक्त दिन रविवार होने से वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात भी सभी कार्यकर्ताओं ने सुनी।

पलायन के कारण बाजारों में सन्नाटा पसरा, व्यापार व्यवसाय पर भी पड़ा असर

माही की गूंज, आम्बुआ।

खरीफ फसलों की कटाई कर उन्हें खलियानों में रखने के बाद रबी सीजन की फसलों की बुवाई करने के बाद ग्रामीण पुनः गुजरात में मजदूरी हेतु चले जाने के कारण बाजारों में सन्नाटा पसरा है।

क्षेत्र के ग्रामीण विगत वर्षों से क्षेत्र में काम नहीं मिलने के कारण भारी संख्या में छोटे बच्चों सहित पूरे परिवार को लेकर गुजरात में मजदूरी करने जाया करते हैं। यह लोग तीज त्यौहार व शादी विवाह आदि के समय घरों को आते हैं। वर्षा काल में अपने खेतों में खरीफ फसल बोने के बाद वे फसल काटने के लिए आते हैं तथा फसलें काटने के बाद रबी की फसलों की बुवाई कर खेतों की रखवाली हेतु परिवार के बुजुर्गों को घर पर रखकर वापस गुजरात लौट जाते हैं। कई ऐसे ग्रामीण भी हैं जिनकी स्वयं की कृषि भूमि नहीं है वह गुजरात में ही निवास करने लगे हैं। वहां पर हिस्सेदारी में खेती करते हैं तथा तीज त्योहारों पर वापस आते हैं। इस बार भी पलायन हुआ। अब स्थिति यह है कि कई ग्रामीण क्षेत्रों में घरों पर ताले लगे हैं या कुछ बच्चे बुजुर्ग घर तथा जानवरों की रखवाली करते नजर आएंगे। पलायन के कारण व्यापार व्यवसाय चौपट हो रहा है। यात्री वाहनों में यात्रियों की संख्या कम होती जाने से वाहन मालिक परेशान है। शिक्षण संस्थाओं में भी पलायन का असर दिखाई दे रहा है बच्चों की उपस्थिति कम देखी जा सकती।

पानी की हौज में डूबने से बालक की मौत

माही की गूंज, आम्बुआ। ग्राम मोटाउमर की चिचानिया फलिया निवासी एक आदिवासी परिवार जो की मजदूरी हेतु बाहर गया हुआ है। जिसका एक 5 वर्षीय बालक संदीप पिता तेनसिंह बघेल बुधवार सुबह खेलते समय समीप रहने वाले कृषक कना पिता दितलिया के खेत के पास जानवरों को पानी पिलाने हेतु बनाया गया हौज में गिर गया। बालक अपनी दादी के पास रहता था। जब बहुत देर तक वह घर नहीं आया तो उसकी दादी उसे ढूंढने निकली, तो वह पानी की हौज में पड़ा मिला। आशंका है कि, अधिक पानी होने से वह डूब गया जिससे उसकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना कालू पिता बूटसिंह (40) भील ने थाने पर दी। घटना सुबह 9 बजे की बताई जा रही है। सूचना पर थाना आम्बुआ में मर्ग कायम किया। शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया। आगे विवेचना जारी है।

प्रभु यीशु मसीह का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

माही की गूंज, आम्बुआ। ईसाई धर्म के ईश्वर प्रभु यीशु मसीह का जन्म दिवस ईसाई धर्म के अनुयायियों द्वारा विशेष प्रार्थना कर मनाया गया।

आम्बुआ भयडिया फलिया स्थित प्रार्थना भवन के पादरी मुकेश डावर ने बताया कि, प्रभु यीशु मसीह का जन्म दिवस 24-25 की दरमियानी रात मनाया जाता है। रात्री में विशेष प्रार्थना तथा 25 दिसंबर की सुबह प्रार्थना भवन तथा जहां चर्च हे वहां चर्च में प्रभु यीशु को मानने वाले एकत्र होकर सामूहिक प्रार्थना करते हैं। प्रार्थना में सब की खुशहाली की दुआ (प्रार्थना) की जाती है। आम्बुआ स्थित प्रार्थना भवन में सैकड़ों ग्रामीण एकत्र हुए तथा प्रभु यीशु का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया व मिठाई वितरित की गई। आम्बुआ के अतिरिक्त समीप ग्राम मोटाउमर की चिचानिया फलिया, आमखुट तथा अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के स्त्री पुरुष बच्चे आदि एकत्र हुए तथा जन्मोत्सव मनाया। संगीत के साथ भजन तथा प्रार्थना एवं केरोल गीत गाए गए। उन्होंने बताया कि, आम्बुआ में विगत 30-31 वर्षों से ईसाई धर्म के मानने वाले यहां जन्मोत्सव मनाते आ रहे हैं तथा प्रति रविवार प्रार्थना हेतु जुटते हैं। आयोजन स्थल के बाहर पुलिस की माकूल व्यवस्था देखने को मिली।

गुस्से में बोला गया शब्द हत्या के लिए उकसाने वाला नहीं- हाई कोर्ट

भोपाल।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने आत्महत्या के मामले में निर्णय करते हुए कहा कि, गुस्से में कहे गए शब्दों या गाली को आत्महत्या उकसाने वाले नहीं माने जा सकते। कोर्ट ने 2020 में एक व्यक्ति को सुसाइड के लिए उकसाने के मामले में ये आदेश दिया। 2020 में दमोह जिले के मूरत लोधी ने जहर खाकर आत्महत्या की थी। अपने सुसाइड नोट में मृतक ने 3 आरोपियों का नाम लिखा था। मृतक मूरत लोधी ने भूपेंद्र लोधी द्वारा लाठी से हमला और गाली-गलौज की बात लिखी थी। सुसाइड नोट में मूरत ने लिखा कि, पथरिया थाने में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई थी और जब वह शिकायत दर्ज कराकर घर लौटे तो राजेंद्र लोधी और भानु लोधी ने समझौता करने के लिए उन पर दबाव डाला और समझौते के लिए राजी नहीं होने पर उन्होंने उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी।

सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने राजेंद्र, भूपेंद्र और भानू के खिलाफ आईपीसी की धारा 306 और 34 के तहत मूरत को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया था। निचली अदालत में आरोप तय किए जाने के बाद तीनों आरोपियों ने अपने विरूद्ध लगे आरोपों को रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था।

जस्टिस सुजॉय पॉल की बेंच ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद इसी तरह के मामलों में सुप्रीम कोर्ट के पहले के आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि किसी को आत्महत्या के लिए उकसाना एक ÷मानसिक प्रक्रिया÷ है। अदालत ने अपने निर्णय में कहा, क्रोध में बोले गए शब्द किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के खिलाफ आत्महत्या के आरोप के लिए उपयुक्त मामला नहीं बनता है। मौखिक रूप से दुर्व्यवहार या धमकी के बाद अगर व्यक्ति आत्महत्या कर लेता है तो सुसाइड नोट के आधार पर आरोप तय नहीं किये जा सकते। कोर्ट ने मामले में अंतिम निर्णय सुनाते हुए आरोपियों को बरी कर दिया।

लव जिहाद : नवीन निकला नबी अंसारी, युवती से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार

माही की गूंज, इंदौर।

मध्य प्रदेश पुलिस ने नाम बदलकर महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया है। इस युवक पर लव जिहाद के तहत केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने उसपर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। यह भी बताया जा रहा है कि केस दर्ज होने के बाद आरोपी मुंबई फरार हो गया था।

यह लगाया आरोप

पीड़िता ने बताया कि, आरोपी ने उसे हिंदू नाम बता कर पहले उससे दोस्ती की और लंबे समय से उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। जब युवती को युवक की असलियत मालूम पड़ी तो उसने पुलिस की शरण ली। जिसके बाद थाने में लव जिहाद के तहत मामला दर्ज कराया गया था। वहीं घटना के बाद आरोपी इंदौर से फरार हो गया था जिसे रविवार देर रात पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कही यह बात...

थाना प्रभारी दिलीप पुरी के अनुसार घटना 18 दिसंबर की बताई जा रही है। यहां की रहने वाली पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ समय पहले उसकी मुलाकात नवीन नामक युवक से हुई थी। पीड़ित महिला का अपने पति से विवाद चल रहा था। जिसका फायदा उठाकर नवीन ने उससे दोस्ती की और उसे अपने झांसे में फंसा लिया। पीड़िता काफी परेशान थी इसलिए वह नवीन की बातों में आ गई और उससे दोस्ती कर ली।

नवीन ने दोस्ती का फायदा उठा कर कई बार महिला से दुष्कर्म भी किया लेकिन जिस समय नवीन की असलियत सामने आई महिला चौक गई। उसने साथ रहने का इरादा बदल लिया। युवक ने अपना नाम नबी अंसारी जब बताया तो महिला के होश उड़ गए और उसने पुलिस के पास शरण ली।

मामला हुआ दर्ज नबी हुआ फरार

पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि, पति से विवाद के चलते उसने नवीन से दोस्ती कर ली थी। नवीन उसे कई बार अन्य जगह ले जाता और उसके साथ दुष्कर्म करता। वो उसे लगातार वह शादी का झांसा दे रहा था लेकिन जैसे ही उसने अपना नाम नबी अंसारी बताया तो वो सन्न रह गईं। पीड़िता ने इस पूरे घटना की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। वही नबी 18 सितंबर से इंदौर से फरार था और रविवार देर रात उसे मुंबई के सतारा से गिरफ्तार कर इंदौर लाया गया है।

आदिवासियों के मसीहा मामा बालेश्वर दयाल जी की 24 वीं पुण्यतिथि पर उमड़ा जन सैलाब

भाजपा के इशारे पर जिला प्रशासन ने वर्षों से चली आ रही श्रद्धांजलि सभा परंपरा को रोकने का किया प्रयास- सूरज जायसवाल

भाजपा-कांग्रेस की और से हुई रस्म आदायगी, जयस की इंट्री से गरमाई राजनीति

माही की गूंज, पेटलावद/बामनिया।

स्वतंत्रता सेनानी और समाजवादी नेता मामा बालेश्वर दयाल की 24 वी पुण्यतिथि सोमवार 26 दिसम्बर को मनाई गई। इस बार मामा जी के दर्शन के लिए आने वालें उनके अनुयायियों की उपस्थिति ने पूर्व के समस्त रिकॉर्ड तोड़ दिए। कड़कडाती ठंड के बाद भी 35 से 40 हजार लोग तीन दिन में मामा जी आश्रम आशीर्वाद लेने पहुँचे। मामा जी का जुड़ाव उनके भक्तों में देखते ही बनता हैं। मामा जी की समाधी पर राज्यसभा सदस्य अनिल हेगड़े, पूर्व विधायक डॉक्टर सुनीलम, मामा जी की शिष्या 97 वर्षीय मालती देवी, जनता दल के राष्ट्रीय नेता गोविंद यादव, जनता दल यू के प्रदेशाध्यक्ष सूरज जायसवाल, जयस संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक व विधायक डॉक्टर हीरालाल अलावा सहित कई नेताओं ने मामाजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। सबसे बड़ी बात इतनी संख्या में जमा लोगो के बीच सत्तापक्षीय ओर विपक्ष की कांग्रेस के नेताओ की उपस्थिति केवल रस्म आदायगी के लिए रही।

भाजपा की और से नही आया कोई बड़ा नेता, कांग्रेस विधायक पहुचे शाम को

मामा बालेश्वर दयाल के निधन के बाद से राज्य सरकारों की अनदेखी की जाती रही है, जो आज भी कायम है। 24 वी पुण्यतिथि भाजपा की और से कोई बड़ा नेता जिले या प्रदेश से शामिल नही हुआ। वही कांग्रेस की और से कोई बड़ा नेता नही आया। दो दिन चले आयोजन में भाग लेने के लिए स्थानीय कांग्रेस विधायक वालसिंह मेडा भी आयोजन के लगभग समाप्त होने के बाद शाम को मामा जी की समाधि पर पहुँचे, वो भी जयस के हीरालाल अलावा की जानकारी मिलने के बाद।

जयस की पहली एंट्रीः राष्ट्रीय स्मारक बनाकर की गई घोषणाएं, पूरी करने के मांग

2023 विधानसभा चुनाव को देखते हुए मामाजी की पुण्यतिथि पर इस बार जयस संगठन की एंट्री भी देखने को मिली। मनावर के विधायक और जयस के राष्ट्रीय संरक्षक हीरालाल अलावा ने मामाजी की समाधी पर पहुचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए अलावा ने सरकार पर मामाजी के कार्यो की अनदेखी का आरोप लगाते हुए इस स्थल को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर पूर्व में की गई सभी घोषणाओ को पूर्ण करने की मांग की गई। आदिवासी क्षेत्र में सैनिक स्कूल की घोषणा महत्त्वपूर्ण है इसे जल्द से जल्द पूरी करने की मांग सरकार से की हे। हिरालाल अलावा ने अगले विधानसभा सत्र में मामाजी की कर्म भूमि को राष्ट्रीय स्मारक बनाने को लेकर आवाज़ उठाने की बात कही है। जयस की एंट्री से क्षेत्र की राजनीति भी गर्मा गई है और कांग्रेस-भाजपा दोनों ही इसे राजनीतिक स्टैंड बता रहे है। लेकिन मामला विधानसभा पहुचा तो भाजपा और कांग्रेस के लिए मुश्किल बढ़ेगी, क्योकि आदिवासी वोटरों को साधने के लिए ताबड़तोड़ निर्णय लिए जा रहे हैं। लेकिन आदिवासी समाज मे जनजागृति लाने वाले मामा बालेश्वर दयाल आज भी उपेक्षित है।

मंच को लेकर विवाद, नही मिली सभा की अनुमति

मामाजी की पुण्यतिथि पर होने वाले आयोजन में हर बार मंच पर बैठने ओर बोलने को लेकर विवाद की स्थिति बनती है। इसलिए प्रशासन ने इस बार मंच और सभा की अनुमति कम ही दी। जिससे कई नेताओं ने नाराजगी जताई, जहा पूर्व में सभाएं होती आई, उस स्कूल ग्राउंड में मेला लगया गया। जिससे सभा होने में परेशानी होती रही। जनता दल यू के प्रदेश अध्यक्ष सूरज जायसवाल, सभा की अनुमति नही मिलने से नाराज दिखे ओर उन्होंने प्रशासन और सरकार पर मामाजी के विचारों को दबाने का आरोप लगाया।

जनता दल यू पूरे लाव लश्कर के साथ पहुचा, प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार पर लगाया आरोप

मामा बालेश्वर दयाल की पुण्यतिथि पर बामनिया में मामा बालेश्वर दयाल के आश्रम में मनाई गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि राजस्थान, गुजरात से बड़ी संख्या में आदिवासी, मामाजी की समाधि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे। ज्ञात हो कि, मामा बालेश्वर दयाल ने अपना पूरा जीवन भील आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए दे दिया। वह अपने जीवन के अंतिम दिनों तक भील आदिवासी समुदाय की शिक्षा, नशाबंदी और सामाजिक कुरीतियों के लिए काम करते रहे। मामाजी पूर्व सांसद एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उनके प्रति श्रद्धा है कि, आज भी उनकी समाधि पर बड़ी संख्या में लोगों श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचते है। जनता दल यू, श्रद्धांजलि सभा के लिए हर साल यहा पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करता है और इस सभा में मामाजी के बताए हुए रास्तों और उनके अधूरे कामों को पूरा करने का संकल्प लिया जाता है। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से लेकर शरद यादव, केसी त्यागी, मुलायम सिंह यादव और सभी समाजवादी नेता पहुंचते रहे। इस बार भाजपा के इशारे पर जिला प्रशासन ने श्रद्धांजलि सभा न हो पाए, इसके लिए मंच एवं माइक लगाने की अनुमति नहीं दी। जिसको लेकर पूरे आदिवासी समाज में आक्रोश है। भाजपा नहीं चाहती कि, आदिवासी वर्ग के लोगों के अंदर शिक्षा का प्रचार हो, शराबबंदी हो, नशा मुक्त अभियान हो और कुरीतियां खत्म हो इसीलिए भाजपा ने जिला प्रशासन के माध्यम से श्रद्धांजलि सभा को खंडित करने का प्रयास किया है। यह कहना है जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सूरज जायसवाल का। इसके बाद भी जदयू ने समाधि स्थल जाकर प्रशासन की कार्रवाई को उपस्थित जनसमुदाय को बताया जदयू के द्वारा विधिवत कलेक्टर, स्थानीय एसडीएम, कमिश्नर को 15 दिन पूर्व भी इस आयोजन की जानकारी दे दी थी, लेकिन अंतिम दिन तक एक साजिश के तहत स्थानीय एसडीएम के द्वारा अनुमति नहीं दी गई, जिसकी निंदा पूरे प्रदेश में की जा रही है। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सुरज जायसवाल ने प्रशासन की इस कार्रवाई को गंभीरता से लेते हुए इस पर प्रदेश स्तर पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। श्रद्धांजलि सभा में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सूरज जायसवाल, बांसवाड़ा राजस्थान के जिलाध्यक्ष धीरजमल डिंडोर, जिला महामंत्री दिलीप व्यास, जदयू मध्यप्रदेश के प्रदेश सचिव रामेश्वर सिंगार, पूजा पेंद्रो भोपाल, जिला अध्यक्ष सय्यद नईम अली, गुड्डू भाई, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मिस्बा उल हसन, महेश कल्लूसिंह, कृष्णा मीणा, रावत डोडियार, चैनसिंह, दिनेश पीलू भूरिया, कालू डावर आदि जदयू के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सरपंच-उपसरपंच पति की अगुवाई में चला अतिक्रमण मुक्त अभियान

संकरा मार्ग नजर आने लगा हाइवे जैसा, अब खेत पहुंच मार्ग कब होंगे अतिक्रमण मुक्त

माही की गूंज, अमरगढ़।

बीते दिनों ग्राम पंचायत में स्थित तेजाजी मन्दिर से असालिया की ओर जाने वाले मार्ग पर नाली निर्माण हेतु मार्ग के दोनों ओर से अतिक्रमण हटाया गया। उक्त कार्रवाई ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच पति की अगुवाई में की गई, जिसका सभी ग्रामीणों ने समर्थन किया। अतिक्रमण मुक्त अभियान के शुरू दिन तो सचिव व रोजगार सहायक नदारद दिखे परंतु दूसरे दिन वह भी काम पर लग गए। वही अतिक्रमण हटाने के दौरान छूट-पुट बहस बाजी भी हुई। उक्त कार्रवाई शुरू होने से करीब एक घण्टे पहले अतिक्रमण हटाने की सूचना ग्राम पंचायत द्वारा दी गई। जिसके तुरंत बाद जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। मोके पर स्थित ग्रामीणों का कहना था कि, उक्त सूचना करीब 2-3 दिन पहले दी जानी चाहिए थी। मार्ग के दोनों साईड का अतिक्रमण हटाने के बाद जो पेड़ मार्ग की तरफ ज्यादा झुके हुए थे, उनकी कटाई-छटाई भी की गई है। वही 2 पेड़ और बचे है जिनकी कटाई-छटाई भी की जानी बाकी है।

ग्राम पंचायत द्वारा हटाया गया अतिक्रमण कितने दिनों तक अपने स्थान पर बना रहेगा या नाली निर्माण के बाद फिर से मार्ग पर अतिक्रमण होकर संकरा हो जाएगा यह भविष्य की गर्त में है।

ग्राम पंचायत सरपंच पिन्टू सिंह भुरीया ने बताया कि, तेजाजी मन्दिर से होता हुआ असालिया की ओर जाने वाला मार्ग मुख्य मार्ग होकर बहुत संकरा हो गया था। जिससे दोनों तरफ से आने-जाने वाले वाहनों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। वही खेतो व टेकरी पर बसे ग्राम का पूरा पानी सड़क पर ही होकर निकलता था जिससे बारिश के मौसम में मार्ग से निकलना मुश्किल हो रहा था। अतिक्रमण हटाया जाकर सड़क के दोनों ओर एक फिट गहरी व एक फिट चौड़ी पक्की नाली का निर्माण किया जाएगा। यह नाली मेघराज के घर से तेजाजी मन्दिर तक बनाई जाएगी। ग्रामवासियों से उम्मीद है की वह अपने स्थान पर बने रहकर दोबारा मार्ग पर अतिक्रमण नही करेंगे।

खेत पहुंच मार्ग खस्ता हालत में

ग्राम पंचायत अमरगढ़ अंतर्गत आने वाले खेतो में पहुंचने वाले सभी मार्ग इतने संकरे हो चके है कि, यदि एक तरफ से ट्रेक्टर आ रहा हो और दूसरी तरफ से मोटरसाइकिल तो दोनों में से किसी एक को नजदीकी खेत मे मजबूरन उतरना पड़ता है। ऐसे में पंचायत प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि, जल्द ही इस मुद्दे को लेकर भी आगे कार्रवाई की जाएगी। क्योकि उक्त संकरे मार्ग होने के कारण वाहनो में आए दिन टूट-फूट होती रहती है। वही खेत मालिको से भी यह उम्मीद की जा सकती है कि, पंचायत के जवाबदारो की सकारात्मक पहल पर खुद सड़क से अतिक्रमण छोड़ पीछे हट जाएंगे।

भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई हेतु अब लेना होगी न्यायालय की शरण...!

माही की गूंज, झाबुआ। मुज्जमील मंसुरी

आदिवासी बाहुल जिला होने के साथ-साथ जिले के माथे पिछड़े का तमगा भी लगा हुआ है। हर पांचवे वर्ष में आने वाले चुनावों में राजनैतिक दल, उनके पदाधिकारी अंचल के विकास पर एड़ी-चोटी का जोर लगाकर राजनीति करते और लोकलुभावन वादों के साथ जनजातीय वर्ग के विकास हेतु भी राजनैतिक दलों द्वारा विभिन्न घोषणाएं की जाती है। सरकार बनने के बाद भी इन्ही जनजातीय वर्ग हेतु अथवा पिछड़े जिलों के विकास हेतु शासन स्तर से सतत प्रयास होते रहते है। कई बार आदिवासी बाहुल इस जिले के लिये सरकार विषेष योजनाओं का न सिर्फ संचालन करती बल्कि जिले में संचालित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों अथवा निर्माण आदि ऐसे कार्य जिनसे जिले का विकास होना है, के लिये अंधाधूंध रूपया भी बहाती है किंतु प्रषासन में लगी भ्रष्टाचार रूपी दीमक, माफिया, सप्लायर आदि मिलकर शासन से मिलने वाली मलाई की जमकर बंदरबाट करते है। ऐसी बंदरबाट के एक नही अनेको उदाहरण आसानी से मिल भी जाएंगे। जिनमें तंत्र में बैठे भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों ने रूपयों के लालच में न सिर्फ नियमों को दरकिनार कर दिया अपितु व्यक्ति विषेष को लाभ पहुंचाने हेतु नियमों की अनदेखी कर दी। भ्रष्टाचार का पूरा खेल आज भी जिले के कई विभागों में अनवरत जारी है। किंतु निचले स्तर के कर्मचारियों द्वारा किये गये भ्रष्टाचार में हिस्सा उपरी अधिकारियों का भी रहता है। शायद इसीलिये भ्रष्टों पर नकेल कसने की हिम्मत प्रषासन के बड़े अधिकारी नही जुटा पाते है। और तो और कभी कभार कोई व्यक्ति, नेता आदि भ्रष्टाचार की शिकायत करता है तो प्रषासन अपने अधिकारियों व कर्मचारियों को बचाने में हर हथकंडे अपनाने से पीछे नही हटता है। कहने को जिला मुख्यालय के विभिन्न विभागों में विभाग प्रमुख का नाम मय मोबाईल नम्बर के लिखा हुआ होता है तो रिष्वत आदि की षिकायत करने की अपील भी कई विभागों में सार्वजनिक रूप से चस्पा की जाती है। किंतु यह अपील उस समय मजाक भर लगती जब कोई व्यक्ति षिकायत लेकर कलेक्टोरेट पहुंचता। स्थिति तो यह है कि, जनसुनवाई अब प्रषासन द्वारा माथा उतारनी लगने लगी है तो सीएम हेल्पलाईन की जांच भी जांचकर्ता गुमराह करने से नही कतराते है। अधिनस्थों को बचाने के इस खेल में ही प्रषासन की ऐसी स्थिति हो गई है कि अब भ्रष्टाचारियों की षिकायत व निष्पक्ष जांच के लिये अंचलवासी न्यायालय की शरण लेने हेतु मजबूर है।

कुछ ऐसे ही भ्रष्टाचार की कहानी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की भी है। कोई एकाध वर्ष पूर्व एक व्यक्ति ने मनरेगा योजना को लेकर भ्रष्टाचार की षिकायत कलेक्टर को की थी। संबंधित ने मीडिया के माध्यम से भी भ्रष्टाचार उजागर किया था। तो मीडिया ने भी मामले को गंभीरता से लेकर प्रषासन पर प्रष्न चिन्ह खड़े किये थे। चूंकि हमाम में सभी नंगे थे इसीलिये मामले को दबाने के प्रयास प्रषासन ने प्रारंभ कर दिये थे। मामले में तत्समय विभाग ने अपने अधिनस्थों को बचाने के लिए इतने पैतरे चले कि, षिकायतकर्ता ही बेचारा परेषान हो गया। और तो और तंत्र में बैठे अधिकारियों ने भी भ्रष्टाचारियों को बचाने में कोई कसर नही छोड़ी।

शिकायतकर्ता के अनुसार उसने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कई बार इस बाबद अवगत कराया किंतु कार्रवाई के नाम पर शून्य के अतिरिक्त कुछ भी हासिल नही हुआ है। और तो और कलेक्टर को 2 बार आवेदन भी दिये किंतु भ्रष्टाचारियों का बाल भी बांका नही कर पाये। आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे विभाग के लगभग 19 अधिकारी और कर्मचारियों की षिकायते की किंतु प्रषासन की कार्यप्रणाली से ऐसा प्रतीत होने लगा था मानो प्रषासन भ्रष्टाचारियों को बचाकर स्वयं की छवि धूमिल होने से बचाने के प्रयास कर रहा है। हर बार षिकायत के नम्बर मात्र बदले किंतु न तो किसी प्रकार की जांच से अवगत कराया गया और न ही आरोपियों के विरूद्ध किसी प्रकार की कोई कार्रवाई की। थक हारकर षिकायतकर्ता को न्यायालय की शरण लेना पड़ी। षिकायतकर्ता न मामले को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया तब जाकर हाईकोर्ट से प्रषासन को जांच एवं कार्रवाई के लिये 2 माह की समयाविध मिली है। पूरे मामले में चिंतन का विषय यह भी है कि, षिकायतकर्ता तो सम्पन्न था इसीलिये न्यायालय की शरण तक जा पहुंचा। किंतु ठेठ गांव खेड़े के अल्पषिक्षित जनजातीय वर्ग के साथ प्रषासन कैसा भेदभाव करता होगा...? खैर आकंठ भ्रष्टाचार में डूबा तंत्र अब 19 अधिकारियों व कर्मचारियों की जांच कैसे करता है यह तो 2 माह में पता चल ही जाएगा। किंतु तंत्र के पूरे कुए में भ्रष्टाचार रूपी घूली हुई भांग पर नजरे टेढ़ी होती रहेगी।

जो काम करना चाहिए था पुलिस को वो कर दिखाया फरियादी ने

माही की गूंज, पारा। गजेन्द्र चौहान

ग्राम में आए दिन बाईक चोरी की घटना बड़ने लगी। अज्ञात बदमाशो ने पुलिस की नाक में दम कर रखा है। बदमाशो में पारा पुलिस का जरा भी खोफ नहीं है। पुलिस कि निष्क्रियता से बदमाश सक्रिय होने लगे। इन 5 से 6 वर्षो मे अनगिनत बाईक अज्ञात बदमाश लेजाने में सफल रहे। अब तक जितनी भी बाइके चोरी हुई पारा पुलिस एक भी चोरी का परदा फाश नही कर पाई और नहीं कभी बदमाशो की धर-पकड़ की गई। जब भी पुलिस से घटनाओं की जानकारी मांगी जाती हैं तो रटा रटाया जवाब देकर झूठा आश्वासन दे दिया जाता है।

एफआईआर की जगह आवेदन लिया जाता है

जब कभी भी फरियादी चोरी की गई बाइको की रिपोर्ट दर्ज कराने जाता है तो फरियादी से आवेदन ले लिया जाता है। पुलिस कहती है एफआईआर बाद में दर्ज कर लेंगे, हम लोग भी बदमाषो की तलाश करेंगे, आप लोग भी तलाश जारी रखना, कोई खबर मिलती है तो हमें जानकारी देना आदी के साथ आश्वाशन दे दिया जाता है। बाद में सभी भूल जाते है।

पुलिस की निष्क्रियता के चलते पीडित ही लगाता है अपना जरिया

फरियादी की सुनवाई नहीं होती तो फिर फरियादी पुलिस कि आस छोड़कर स्वयं प्रयास करने लगता है। फरियादी जेक-जरिया लगाकर बदमाशो की तलाश कर बदमाषो से सैटिंग जमा कर दस-बीस हजार देकर अपनी चोरी की गई बाइक बुलवा लेता है। सेटिंग जम जाने के बाद बदमाश बाईको को किसी नाले में, तो किसी पुलिया के पास, तो किसी सुनसान जगहों पर बाइक छोड़ जाते है। इस तरह से चोरी किया गया माल मिल जाता है। जो काम पुलिस को करना होता है वह काम फरियादी को करना पड़ता है। गरीबों की चोरी की गई बाईक मिलना ना मुमकिन है। रशुकदारो की चोरी किया गया माल मिलना आसान है।

रात में चोरी कि गई बाइक दिन में मिली

अभी कुछ दिन पहले तेल व्यापारी के यहां से घर के बाहर पड़ी बाईक अज्ञात बदमाश रात में चोरी कर ले गये थे। घटना की जानकारी पारा पुलिस को मौखिक रूप से मिल गई थी, अब पारा पुलिस तो बदमाशो को पकड़ने में यहा भी नाकाम रही। फरियादी व्यापारी ने जेक-जरिया लगाकर चोरी की गई बाईक का पता लगा लिया। सूत्रो के अनुसार जानकारी मिली थी कि, व्यापारी ने सेटिंग कर मोटी रकम देकर अपनी बाईक बुलवाली, हालाकि व्यापारी ने पुलिस चौकी पर रिपोर्ट दर्ज नही करवाई दूसरी बाईक सेटिंग जैक-जरिए से आई। अभी वर्ष भर पहले भी एक सोनी के घर के बाहर खड़ी बाईक की साकल ताले से बन्दी थी बदमाश ताले तोड़ कर बाईक चोरी कर ले गये थे। पुलिस वह चोरी भी पकड़ने में नाकाम रही थी। उक्त सोनी ने भी अपना जेक-जरिया व सेटिंग होने के बाद बाईक दोपहर को एक नाले में पड़ी मिली थी। जिसका प्रकरण भी दर्ज नही हुआ था।

सेटिंग होने के बाद फरियादी की गलती से बाईक नही मिली

अभी कुछ माह पहले एक व्यक्ति के यहां से होंडा व बुलेट गाड़ी बदमाश ले भागे थे। कुछ दूरी पर जाकर होंडा गाड़ी एक कार से टकरा गई थी। बदमाश हौंडा गाड़ी छोड़कर भाग गये थे। दूसरा बदमाश बुलेट गाड़ी ले जाने में सफल रहा। उक्त व्यक्ति की भी सेटिंग हो गई थी, पर व्यक्ति की गलती के कारण बुलेट नही मिली। हुआ यू था कि, व्यक्ति को अकेले जाना था, अकेले न जाते हुए वह 5 से 6 आदमी को लेकर गया था। बदमाशो ने बुलेट गाड़ी नही दी और उन्हे बेरंग लोटना पड़ा।

आखिरकार सेटिंग वाला बिचौलिया कोन है

अब पारा पुलिस के लिए बदमाशो की जानकारी लेना जरूरी है। आखिरकार ये बिचौलिया कोन है, जो चोरी किया गया माल सेटिंग करवाकर माल दिलावा देता हैं। वह बदमाश आखिरकार कौन हैं जब फरियादी जानता है तो पुलिस क्यों नही जानती। अगर पुलिस ऐसी घटनाओं पर जोर नही देगी तो जेक-जरिया और सेटिंग वाला कारोबार अच्छा खासा फेलेगा।

जब पारा चौकी प्रभारी हीरालाल मालीवाड से मोबाइल पर जानकारी मांगी तो, साहब कहते हे में थोड़ी देर से वापस लगाता हु। 24 घंटे हो गये जानकारी नहीं मिली दूसरे दिन प्रभारी बोले घटना की मौखिक सूचना मिल गई थी, हम भी बदमाशो की तलाश मे गए थे परंतु खाली हाथ लोटे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422